जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 121 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 22 नवम्बर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी ने राज्य सरकार के अधिकारियों को 2 हजार करोड़ की रिश्वत दी'

राहुल गाँधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी पर अमेरिकी कोर्ट द्वारा प्रस्तुत आरोप पत्र के आधार पर यह गंभीर आरोप लगाया

- राहुल गाँधी ने इस संदर्भ में यह भी कहा, कि झारखण्ड व दिल्ली के मुख्यमंत्री तो मिनटों में गिरफ्तार कर लिये गये थे, आरोपों के आधार पर। पर अडानी के खिलाफ अमेरिकी न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है, और न ही होगी।
- प्रत्युत्तर में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि अगर अडानी इतने भ्रष्ट हैं, तो कांग्रेस की व कांग्रेस के गठबंधन की सरकारें, लाइन लगाकर उनसे अपने-अपने राज्य में पूंजी निवेश की अर्जी क्यों देती हैं।
- भाजपा प्रवक्ता के अनुसार छत्तीसगढ़ व राजस्थान में अडानी ने क्रमशः 25 हजार करोड़ व 65 हजार करोड़ निवेश किये थे, जब भूपेश बघेल व अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे।
- भाजपा प्रवक्ता के अनुसार, राहुल गाँधी के पास कुछ नाम हैं, जो वो हर बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में उछालते हैं, प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने के लिए। अगर, राहुल गाँधी के पास कुछ ठोस सबूत व जानकारी है तो वे न्यायालय में मुकदमा क्यों नहीं करते मोदी सरकार के खिलाफ।
- अमेरिकी अदालत में प्रस्तुत आरोप पत्र के अनुसार, अडानी ग्रुप ने राज्य सरकार के अफसरों को भारी रिश्वत दी है, सोलर पावर प्लान्ट्स से बिजली खरीदने के लिए।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। "आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव है," जांची परखी इस नीति पर चलते हुए भाजपा ने अपनी सभी बंदुकें लोकसभा में विपक्ष के नेता पर तान दी हैं, क्योंकि उन्होंने अमेरिकन प्रशासन द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी पर रिश्वत का आरोप लगाने पर नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछा है।

आज दिन में राहुल गांधी ने गौतम अडानी को गिरफ्तार करने की मांग की क्योंकि अमेरिकन प्रशासन ने अडानी पर रिश्वत केस में लिप्त होने का आरोप लगाया है।

प्रैस कॉन्फ्रैंस को सम्बोधित करते हुए गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अडानी का बचाव करने का आरोप लगाया और पूछा कि इतने सारे आरोप होने के बाद भी भारत सरकार ने उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया है।

गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि हम यह मुद्दा संसद में उठाएंगे और लोकसभा में विपक्ष का नेता होने के कारण मेरी यह जिम्मेवारी है कि मैं यह मुद्दा उठाऊं। प्रधानमंत्री शत प्रतिशत इस आदमी (अडाणी) को प्रोटैक्ट कर रहे है और यह आदमी भाजपा को समर्थन करता है। हम जे.पी.सी. की मांग करते हैं।

राहुल ने कहा, "अब यह अमेरिका में भी पूर्णतया स्पष्ट एवं स्थापित है कि

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गोगामेडी हत्याकांड के आरोपियों का प्रार्थना पत्र कोर्ट ने खारिज किया

जयपुर, 21 नवंबर। एन.आई.ए. मामलों की विशेष अदालत ने सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड मामले में अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद आरोपी नितिन फौजी, रामवीर और ऊधम सिंह के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। आरोपियों ने जेल प्रशासन पर एस.टी.डी. फोन से परिजनों से बात नहीं कराने और उनसे मुलाकात नहीं कराने का आरोप लगाया गया था। पीठासीन अधिकारी मशरूर आलम

- आरोपियों ने परिजनों से एस.टी.डी. पर बात कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। जेल प्रशासन का कहना था, उन्हें किसी भी आरोपी ने फोन पर बात कराने का प्रार्थना पत्र नहीं दिया।

खान अपने आदेश में कहा कि आरोपी ऊधम सिंह की उसके परिजनों से बात कराई जा रही है। वहीं, नितिन व रामवीर के मामले में परिजनों से मुलाकात करने का कोई प्रार्थना पत्र जेल प्रशासन के समक्ष पेश नहीं किया गया है। इसके अलावा आरोपियों पर विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत आरोप होने के कारण, फोन सुविधा बंद की गई है। ऐसे में आरोपियों की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाता है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि प्रार्थियों

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कीनिया सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ कॉन्ट्रैक्ट कैन्सल किया

गौतम अडानी ग्रुप पर अमेरिका के कोर्ट में लगाये गये रिश्वतखोरी व जालसाजी के आरोप दाखिल होने के बाद कीनिया सरकार ने यह कदम उठाया है

- कीनिया ने 700 मिलियन डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट साईन किया था, अडानी ग्रुप के साथ, कीनिया में ट्रांसमिशन पावर लाइन्स बिछाने के लिए। कीनिया के राष्ट्रपति विलियम रोटू ने यह कॉन्ट्रैक्ट रद्द करने की घोषणा की।
- कीनिया के राष्ट्रपति ने कीनिया के जोमो कैन्याटा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार करने के कॉन्ट्रैक्ट, जो अडानी ग्रुप को सौंपा गया था, को भी रद्द करने की घोषणा की।
- अडानी ग्रुप की कम्पनियों, जैसे अडानी एन्टरप्राइजेंज, अडानी एनर्जी सोल्यूशन्स, अडानी पोर्ट्स, अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आरोप पत्र दाखिल होने की खबर के बाद, काफी गिरावट आई है।

- श्री नन्द झा-
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। अमेरिका में गौतम अडानी समूह के खिलाफ लगाया गये रिश्वत देने व धोखाधड़ी के आरोपों से समूह को पहला नुकसान कीनिया में हुआ। इस अफ्रीकी देश के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने अडानी ग्रुप को दिया गया 700 मिलियन डॉलर का अनुबन्ध रद्द कर दिया। यह अनुबन्ध ट्रांसमिशन पावर लाइन्स बनाने के लिए हुआ था। कीनिया के राष्ट्रपति ने केन्याटा इन्टरनैशनल एयर पोर्ट के विस्तार की योजना भी रद्द कर दी, जिसमें अडानी ने भी टैंडर भरा था।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स द्वारा 26.50 करोड़ डॉलर के सुनियोजित रिश्वत कांड में अडानी ग्रुप के ऐग्जीक्यूटिव्स, जिनमें स्वंय गौतम अडानी भी शामिल हैं, पर अभियोग लगाये जाने के बाद, अडानी के अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय, जो अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया तथा अमेरिका में फैले हुये हैं, अब बहुत सख्त संवीक्षा के तहत आ सकते हैं। अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने आरोप लगाया है कि अडानी ग्रुप ने न्यूयॉर्क की एक पूर्व सूचीबद्ध कम्पनी के ऐग्जीक्यूटिव्स के साथ मिलकर साजिश की कि भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी जाये तथा फायदेमंद सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल किये जायें। अडानी ग्रुप ने अमेरिकन डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस तथा सिक्यूरिटीज़ एंड एक्सचेंज कमीशन द्वारा लगाये गये आरोपों को "निराधार" बताया है तथा कहा है कि "सभी सम्भव कानूनी रास्ते तलाशे जायेंगे"।

जाहिर है, अमेरिकन अभियोग में इतनी ताकत है कि वह अडानी ग्रुप के वैश्विक व्यवसाय के साथ ही, भारत में भी उसके व्यवसाय को संकट में डाल सकता है। गुरूवार को, सभी अडानी स्टॉक्स, जिनमें अडानी एन्टरप्राइजेज, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स तथा अडानी ग्रीन एनर्जी शामिल हैं, में भारी गिरावट आई है तथा इन्हें 23 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है।

ब्रुकलीन कोर्ट में फाइल किये गये अमेरिकन आरोपों में गौतम अडानी, सागर अडानी तथा विनीत एस. जैन पर 26.50 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने के सुनियोजित कांड के आरोप लगाये गये हैं। प्रोसिक्यूटर्स ने आरोप लगाया कि इस ग्रुप ने सोलर एनर्जी प्रोजेक्टों के लिए करोड़ों डॉलर की फन्डिंग प्राप्त करते समय, महत्वपूर्ण जानकारियों को गुप्त रखते हुये, अमेरिकन निवेशकों और बैंकों को गुमराह किया। प्रॉसिक्यूटर्स का कहना है कि कपटपूर्ण तरीकों, जिनमें निवेशकों से झूठी बातें कहना तथा

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अडानी न्यायालय में "निगोशिएटेड सैंटलमैंट" का रास्ता अपनायेंगे?

भारत के कानून में "सरकारी गवाह" बनने का कोई प्रावधान नहीं है, अमेरिका के कोर्ट में, अतः अडानी के समक्ष 'निगोशिएटेड सैंटलमैंट' (आपसी समझौता) का ही विकल्प बचा है

- अमेरिकी कानून के अर्न्तगत इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, किस राज्य में किस अफसर ने कितनी रिश्वत ली। जुर्म तो रिश्वत देने वाले ने किया है। और, इस प्रकरण में रिश्वत देने वाला अडानी ग्रुप है, जिसके खिलाफ रिश्वत देने का आरोप है।
- एक यह भी दृष्टिकोण है कि, अडानी ग्रुप ने पूंजी निवेशकों को यह बात उजागर नहीं करके, कि उन्होंने रिश्वत दी है सोलर एनर्जी बेचने का अनुबंध करने के लिए, पूंजी निवेशकों के साथ धोखा किया है, और अमेरिकी पूंजी निवेशकों ने करोड़ों रुपये लगाये अडानी ग्रुप के धंधे में।
- हिन्दुस्तान में किसने रिश्वत प्राप्त की, यह मामला, भारत सरकार की जाँच का विषय है। अमेरिकी न्यायालय के दायरे से बाहर की बात है।

- जाल खंबात-
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। उद्योगपति गौतम अडानी इस क्रिमिनल केस में भी " नेगोशिएटेड सैटलमेन्ट" (बातचीत एवं समझौता) का विकल्प अपना सकते हैं। यह विकल्प उन जैसे फ्रॉडस्टर्स के लिये बचने का रास्ता बना देता है। यह भारत की "अप्रूवर" व्यवस्था जैसा ही रास्ता है।

चूँकी अडानी इस क्रिमिनल केस में मुख्य आरोपी हैं, तो हो सकता है कि उन्हें सौदेबाजी करने की अनुमति नहीं मिले, जो अन्य आरोपियों को मिल सकती है।

अमेरिकन अभियोग कहता है कि पावर "भारतीय सरकार" को बेची जानी थी। इस के अलावा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि रिश्वत किसने ली तथा किस राज्य में ली, लेकिन रिश्वत देने वाली अडानी की कम्पनी थी, जिसके खिलाफ आरोप लगाया गया है।

रिश्वत देने के मामले को गुप्त रखकर, अडानी ने वॉल स्ट्रीट के उन निवेशकों को धोखा दिया, जिन्होंने करोड़ों डॉलर्स का निवेश किया था। जहाँ तक रिश्वत लेने वालों का प्रश्न है, उनकी

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कार्यरत शिक्षक को सरप्लस कर हटाने पर रोक

जयपुर, 21 नवंबर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल में कार्यरत शिक्षक को सरप्लस कर हटाने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अधिकरण ने शिक्षक को अन्य स्थान पर स्थानांतरण और पदस्थापन नहीं करने को कहा है। वहीं, मामले में शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

- राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने शिक्षा सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी किये।

अधिकरण ने ये आदेश इमरान की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी 18 जनवरी, 2022 को साक्षात्कार के जरिए नागौर की जूसरी स्थित राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में नियुक्त हुआ था। विभाग ने गत 14 नवंबर को सरप्लस शिक्षकों की सूची निकाली और उसमें

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'अमेरिकन एजेन्सी का खुलासा, भारत की एक पी.एस.यू. अडानी स्कैम में शामिल'

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया पर अंगुली उठाई

- जयराम रमेश ने कहा, जैसे सेबी ने अडाणी की मदद की थी वैसे ही सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने की है, यहां भी यही मुख्य प्रश्न है, क्या इस पी.एस.यू. की जाँच होगी।
- जयराम रमेश ने बताया कि सोलर एनर्जी उत्पादन के लिए सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने ही बिड्स मांगी थीं और विभिन्न राज्यों से महंगे दामों पर सोलर एनर्जी खरीदने के समझौते करवाए थे। इनमें ओडिशा, आंध्र, तमिलनाडू, छत्तीसगढ़ और जम्मू कश्मीर हैं।
- महाराष्ट्र व राजस्थान से भी ऊँचे दामों पर सोलर एनर्जी खरीदने के अनुबंध हुए हैं, उन पर भी सवालिया निशान लग गया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने बताया, अडानी के इस भ्रष्टाचार स्कैण्डल में जिसकी प्रमुख भूमिका है उसका अमेरिकन एजेंसियों ने खुलासा कर दिया है यह है सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एस.ई.सी.आई.), जो कि भारत सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी है।

जयराम रमेश ने कहा कि एस.ई.सी.आई. ने प्राइवेट कम्पनियों से बिड्स मांगी थी और विजेता को चुनने के लिए रिवर्स ऑक्शन करवाई थी। इसके सुझाव पर विभिन्न राज्य भी खरीद समझौते में शामिल हुए।

अमेरिका के औपचारिक अभियोग पत्र में उल्लेख है कि आंध्र, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, और जम्मू कश्मीर में रिश्वत दी गई। जम्मू कश्मीर केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद इसमें शामिल हुआ। यह नितांत अस्वीकार्य है और इसमें कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। पर क्या एस.ई.सी.आई. की भी जांच होगी, यहां भी सेबी जैसी ही स्थिति है।

राज्यों की बात करे तो महाराष्ट्र एवं राजस्थान में भी हालिया महीनों बहुत ऊंचे दामों पर सोलर पावर खरीदने के अनुबंध हुए हैं, उनका क्या? उन पर भी चर्चा होनी चाहिए।

जयपुर में शाही शादियों की धूम

जयपुर, 21 नवम्बर। झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के उपचुनाव में वोटिंग के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक शादी समारोह में हिस्सा लेने के लिए जयपुर आए हैं। जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट पर कांग्रेस के नेताओं ने उनका स्वागत किया। राहुल गांधी के आने के कुछ देर बाद, एक अन्य शादी में हिस्सा लेने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रमुख तथा उत्तर

- राहुल, प्रियंका गाँधी पहुंचे, अखिलेश डिंपल भी जयपुर आए।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिम्पल यादव भी जयपुर पहुंचे।

राहुल गांधी जयपुर एयरपोर्ट से सीधा होटल ओबेरॉय राजविलास के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि राहुल शाम को होटल रामबाग पैलेस में राहुल गांधी के भांजे और प्रियंका गांधी के बेटे रेहान के मित्र यशार्थ गोयल के शादी समारोह में शिरकत करेंगे। इस

(शेष पृष्ठ 3 पर)

इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी

इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने इज़रायल के प्रधानमंत्री के साथ पूर्व रक्षामंत्री योआव गैलैंत को भी युद्ध अपराधी घोषित किया है

- कोर्ट ने कहा कि इज़रायल हमास संघर्ष में गाज़ा में बेतरतीब और मनमाने तरीके से हुए हमलों में भारी जनहानि हुई है, ये हमले मानवता के विरुद्ध अपराध हैं।
- इन्टरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट (आई.सी.सी.) के वॉरंट पर उन देशों को अमल करना होगा जो इसके सदस्य हैं। पर जो देश इसके सदस्य नहीं हैं उन पर कोई दबाव नहीं है।
- यह मामला उन देशों के बड़े नेताओं पर आई.सी.सी. की ताकत की कसौटी भी होगा जो इसके सदस्य नहीं हैं।
- आई.सी.सी. के वॉरंट का इज़रायल ने कड़ा विरोध किया तथा इसे पक्षपातपूर्ण बताया, अमेरिका और ब्रिटेन ने भी आई.सी.सी. के आदेश को हानिकारक बताया।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट (आई.सी.सी.) ने इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतनयाहू तथा पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलैंत के विरूद्ध, इज़रायल हमास युद्ध के दौरान कथित युद्ध अपराधों और मानवता के विरूद्ध अपराधों का हवाला देते हुए गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया है। इनमें गाज़ा पर किए गए बेतरतीब हमले भी शामिल हैं, जिनके कारण कथित रूप से नागरिकों को भारी क्षति हुई।

कोर्ट ने माना कि नेतनयाहू तथा गैलैंत का कथित आचरण अदालत के अधिकार क्षेत्र में आता है। कोर्ट को, यह मानने के लिए भी उचित आधार मिला कि अनेक युद्ध अपराधों के लिए सह-अपराधी के रूप में नेतनयाहू और गैलैंत की जिम्मेवारी बनती है। दोनों नेताओं पर, गाज़ा के नागरिकों को जानबूझकर भोजन, पानी, बिजली, ईंधन और चिकित्सा आपूर्ति से वंचित रखने का आरोप है। इसके अलावा राजनैतिक और राष्ट्रीय आधार पर गाज़ा के लोगों को उनके मूल अधिकारों से वंचित करना तथा उनका उत्पीड़न तथा अन्य अमानवीय कृत्य भी युद्ध अपराधों में शामिल हैं।

अदालत ने पाया कि नेतनयाहू तथा गैलैंत का कथित आचरण फिलिस्तीन में नागरिक आबादी, विशेष रूप से गाज़ा के नागरिकों के खिलाफ इज़रायली सरकारी निकायों और सशस्त्र बलों की गतिविधियों से संबंधित था। कोर्ट ने यह भी पाया कि मानवता के विरूद्ध कथित अपराध, गाज़ा की नागरिक आबादी के विरूद्ध व्यापक तथा सुनियोजित व व्यवस्थित हमले का हिस्सा थे। कोर्ट को यह मानने के लिए भी उचित आधार मिला कि दोनों नेताओं के उपरोक्त आचरण ने गाज़ा में नागरिक आबादी के बड़े भाग को उनके मूल अधिकारों, जिसमें जीवन व स्वास्थ्य का अधिकार शामिल है, से वंचित रखा और यह भी कि आबादी को राजनीतिक तथा राष्ट्रीय आधार पर लक्ष्य बनाया गया। इसलिए कोर्ट ने पाया कि मानवता के खिलाफ उत्पीड़न का अपराध किया गया है।

आई.सी.सी. का अधिकार क्षेत्र कोर्ट को मान्यता देने वाले फिलिस्तीन जैसे क्षेत्रों में किए गए अपराधों को कवर करता है। हालांकि कोर्ट के गिरफ्तारी वॉरंट आदेशों का क्रियान्वयन अनिश्चित है; इज़रायल आई.सी.सी. को मान्यता नहीं देता है और संभावना नहीं है कि वो सहयोग करेगा। नेतनयाहू की गिरफ्तारी के लिए ज़रूरी होगा कि वो किसी ऐसे देश में प्रवेश करें जो वॉरंट पर अमल करने को राजी हो।

कोर्ट के आदेश का मतलब होगा, इज़रायल की सैन्य कार्रवाइयों और संभावित कूटनीतिक चुनौतियों की गहन जांच। यह मामला, गैर आई.सी.सी. सदस्य देशों में उच्च पदस्थ नेताओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय कानून की पहुँच की परख भी करता है।

इस दौरान इज़रायल ने नेतनयाहू व अन्य नेताओं के खिलाफ आई.सी.सी. के वॉरंट जारी करने के निर्णय की पुरजोर निंदा की है। इज़रायली अधिकारियों ने इन आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया है और इस बात पर जोर दिया है कि इज़रायल एक लोकतांत्रिक देश है, जिसके पास एक मजबूत न्यायपालिका है, जो कि, इस तरह के मामलों को स्वतंत्र रूप से संभालने में सक्षम है। उनका तर्क है कि आई.सी.सी. के अधिकार क्षेत्र में इज़रायल नहीं आता है, क्योंकि वह रोम स्टैचूट (कानून) में पार्टी नहीं है। इस कदम की इज़रायल के सहयोगियों, जैसे, संयुक्त राज्य अमेरिका और यू.के. ने आलोचना की है, जो इसे लाभप्रद के बजाय हानिकारक मानते हैं।

'शिक्षक की वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं रोकें'

जयपुर, 21 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने गणित विषय के द्वितीय श्रेणी शिक्षक की ओर से अध्यापन के दौरान लापरवाही बरतने पर, उसकी संचयी आधार पर वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख माध्यमिक शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा और डी.ई.ओ., जयपुर डिवीजन सहित अन्य को नोटिस जारी

- हाईकोर्ट शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक व डी.ई.ओ. से जवाब तलब किया।

कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल ने ये आदेश पुष्कर सैनी की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वर्तमान में राजकीय दरबार उच्च माध्यमिक अंग्रेजी विद्यालय,

(शेष पृष्ठ 3 पर)

विचार बिन्दु

सनास्त कर्म का लक्ष्य आनंद की ओर है। –टैगोर

अपना घर-आंगन हो, सपना है, छूटना नहीं चाहिए

जस्टिस वी.आर. गवई और जस्टिस के.बी. विश्वनाथन की सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ का दिनांक 13 नवम्बर, 2024 का निर्णय जिसमें बुलडोजर एक्शन पर दिशा निर्देश दिये हैं, एक अदभुत और पढनीय निर्णय है। आचार संहिता के लिए 'टेन कमान्डमेन्ट' के बाबत सुनते आये हैं। इन्हीं की लाइन पर न्याय के बाबत जानकारी के हेतु 'गीता' पढते हैं। इन्हीं की लाइन पर न्याय के बाबत जानकारी के लिये हमें Direction in the matter of demolition of structures v. and ors., Writ Petition (Civil) No.295/2022 (and connected cases) पढना चाहिये। इस निर्णय में माननीय खण्डपीठ ने अनुच्छेद 21 की कई व्याख्याओं में एक नई व्याख्या जोडते हुये कहा है कि Shelter is one of the facets of Article 21 न्याय की विशेषता है कि उसमें जज की आत्मा की आवाज सुनाई दे और निर्णय का यह सनातन पक्ष उक्त निर्णय में प्रतिध्वनित हो रहा है।

मानवीय अधिकारों के उल्लंघन का यह केस है जिसमें देश के लोगों के साथ, अन्य लोगों ने भी चिन्ता अभिव्यक्त की है।

जस्टिस वी.आर. गवई ने अपने 95 पृष्ठों के निर्णय का प्रारम्भ देश के यशस्वी कवि प्रदीप की कविता से किया है। कविता के लिये कहा गया है हृदय से उसका निस्तारण उस समय होता है जब वेदना पैदा होती है, दिल टूटता है। किसी ने सच कहा है, ''आह से निकला होगा गान तभी बनी होगी'', कविता 'अनजान'। कविता का पद निम्नलिखित है:–

अपना घर हो, अपना आँगन हो,
इस ख्वाब में हर कोई जीता है।
इन्सास में दिल की चाहत है कि घर,
का सपना कभी न छूटे॥

ऐसा मालूम होता है न्यायमूर्ति गवई का दिल केस के तथ्यों से रो पडा हो और उस पीडा ने निर्णय को जन्म दिया है जो उत्पीडितों के लिये भावांजली है। यह सच है घर सबके लिये सपना है, उनका आश्रय है। उनके सम्मान की निशानी है। आश्रय मौलिक अधिकार है।

इसी बात को संसार के प्रसिद्ध न्यायविद् लॉर्ड डेनिंग ने केस (1964) IQB 308 के निर्णय में न्याय सिद्धान्त को अपने घर की महिमा का तथा आश्रय के अधिकार के बाबत कहा था कि गरीब को अपने घर में रहने का अधिकार है, चाहे घर की छत इतनी कमजोर हो कि छोटा तूफान भी उसे झकझोर दे, चाहे वर्षा का पानी घर में घुस जावे किन्तु बादशाह की फौज भी उसमें प्रवेश नहीं कर सकती जब तक देश का कानून प्रवेश को न्याय संगत न माने।

बुलडोजर के एक्शन पर सर्वोच्च न्यायालय में जो रिट् याचिकायें पेश की गई थीं उसमें निर्णय के लिये विवाद था कि क्या अपराधी (Accused) की सम्पत्ति को तोडा (Demolish) जा सकता है। इसी विवाद का दूसरा पक्ष है क्या कार्यपालिका को यह अधिकार है कि वह अपराधी के आशियाना को सजा देने की नियत से ढहा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शपथ पत्र पेश कर कहा था कि अचल सम्पत्ति/@Immovable property can be demolished only in accordance with the procedure prescribed by law अर्थात् घरों की तोडफोड नियमों की पालना कर की जावेगी। माननीय खण्डपीठ ने फैसले में यही कहा है कि यदि लोगों के घर सिर्फ इसलिये ढहा (तोड) दिये जायें कि व्यक्ति आरोपी या दोषी है तो वह असंवैधानिक है। खण्डपीठ ने माना कि संविधान और क्रिमिनल कानूनों के अनुसार आरोपियों और दोषियों के भी अधिकार होते हैं। निर्णय में कहा कि कार्यपालिका जज नहीं बन सकती। बदले की कार्यवाही के हेतु भी वह किसी भी अचल सम्पत्ति घर या दुकान को बुलडोजर द्वारा नष्ट नहीं कर सकती।

पीठ ने माना है बुलडोजर से सम्पत्तियों को तोडना, ढहाना अराजकता का कृत्य है। ऐसे कृत्यों के लिये कानून व संविधान में कोई जगह नहीं है। यह कृत्य कानून के शासन पर हमला माना जावेगा, क्षमा योग्य नहीं है। यह कृत्य कानून की आत्मा पर चोट देता है। राज्य का काम तो सबको सुरक्षा प्रदान करना है। घर व्यक्ति अथवा परिवार जनों की आशा है, उनका सुरक्षा कवच है। केवल इस आधार पर मकान/दुकान तोडना कि व्यक्ति किसी अपराध का दोषी है यह कृत्य Due Process of Law की परिभाषा में नहीं आता। न्यायाधीशों ने स्पष्ट रूप से अपने निर्णय में लिखा है कि सजा के नाम पर किसी का आशियाना तोडना/छीनना हमारे लोकतंत्र के संविधान के विरूद्ध है।

यदि हम 95 पृष्ठ के इस ऐतिहासिक निर्णय को पढें तो पायेंगे कि न्यायालय के समक्ष कई केस प्रस्तुत किये गये थे, जिनमें घर व दुकान को निर्दयता से, बिना किसी विवेक के, आक्रमण कारी बनकर ढहाया गया था। जिन लोगों के घर तोडे हैं उनमें जावेद मोहम्मद का केस भी है। घटना 10 जून 2022 की है जब जावेद मोहम्मद को नेता नुपूर शर्मा विवाद में विरोध प्रदर्शन के समय हिंसा भडकाने के साजिशकर्ता होने के आरोपों में गिरफ्तार किया गयाथा तथा दो दिन बाद ही बुलडोजर एक्शन हो गया। एक अन्य केस उदयपुर का है एक स्कूल छात्र का मामला है, उसने अपने सहपाठी की चाकू मारकर हत्या की थी। फलस्वरूप दंगा (Riot) हो गया। जिला प्रशासन ने स्कूली छात्र का घर तोड दिया।

घर मूलभूत अधिकार है। परिवार की महिलायें व बच्चे सड़क पर आ जावें यह अनुचित है। अवैध निर्माण गिराने में पक्षपात नहीं होना चाहिये। किसी ने सुझाव दिया कि सजा के नाम पर घर तोडना असंवैधानिक है उचित नहीं है। तोड़ने के लिये यह बतलाना होगा कि पूरा घर तोड़ना ही विकल्प था। तोडने से पहले नोटिस देना व पर्याप्त समय देना उचित प्रक्रिया होगी।

दिल्ली के गणेश व रतलाम का मजदूर जावेद व रशीद आदि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से खुश है, उन्हें मुआवजे की उम्मीद थी, किन्तु कोर्ट के निर्णय में मुआवजों के बाबत कोई निर्देशन है। हाँ, जस्टिस चन्द्रचूड ने एक केस में 25 लाख का हर्जा दिलाया है।

उपरोक्त कुछ घटनाओं का उल्लेख है। घटनायें बहुत हैं। घटनायें हृदय विदारक हैं। आत्मा को झकझोर देती हैं। अपना घर होना व्यक्ति का सपना है, उसका छीना जाता उसके लिये मृत्यु जैसा है। सरकार का यह कार्य तानाशाही कृत्य है। लोकतंत्र में यह दुर्भाग्य की घटना है। जस्टिस चन्द्रचूड ने अपने अन्तिम निर्णय में अपने मत को समर्थन देने के लिये संविधान के अनुच्छेद 300ए जो सम्पत्ति के अधिकार के बाबत है। इस अनुच्छेद में कहा गया है कि विधि के अधिकार के बिना व्यक्तियों को सम्पत्ति से वंचित नहीं किया जावेगा।

देश में सरकारी जमीन, राज्य सरकार, नगरपालिका, पंचायत आदि में टमेज रहती हैं। ऐसी भूमि पर कब्जा करने वाले व्यक्ति को ट्रेसपासर माना गया है और कानून के माध्यम से ट्रेसपासर को जमीन से बेदखल करने का प्रावधान है और अधिकार। अत: खण्डपीठ ने माना है कि अवैध कब्जे व अवैध निर्माण को हटाया जा सकता; किन्तु यह उसी समय वैध होगा जब कानून में दी गई प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही हो अन्यथा नहीं। अपने निर्णय के पेरा 9 में इस स्थिति को स्पष्ट करते हुये लिखा है कि ''हमारा आदेश उस परिस्थिति में लागू नहीं होगा यदि अवैध निर्माण पब्लिक प्लेस, यानी सडक, स्ट्रीट, फुटपाथ, रेल्वे लाइन्स सटी जमीन, नदी या वाटर बॉडीज (जल निकाय) की जमीन पर हो, अथवा तोडने का आदेश, किसी न्यायालय ने दिया हो''।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि कई नगर पालिका यानी स्वायत्त शासन की संस्थानों जैसे जयपुर डेवलपमेंट ऑथोरिटी एक्ट के कानूनों में प्रावधान हैं कि यदि कोई व्यक्ति अपनी जमीन पर बिना अनुमति लिये तामीर करता है और ऐसी तामीर को बने 10 वर्ष का समय हो चुका है, तो तोडा नहीं जावेगा। चूंकि निर्णय में इस बाबत कोई उल्लेख नहीं है अत: इस विशेष स्थिति का यहां उल्लेख किया गया है। वस्तुत पेरा 6 के पढने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है कि बुलडोजर जस्टिस का मामला केवल सरकारी जमीन पर किये गये Structure (निर्माण) पर ही लागू होगा। अपनी जमीन पर बिना इजाजत तामीर का मामला भिन्न परिस्थिति है। नगर पालिका कानूनों में इस हेतु प्रावधान हैं।

बुलडोजर न्याय का मामला सरकारी जमीन पर की गई तामीर से सम्बन्ध रखता है। इस बाबत कोई सीधा कानून नहीं है। जब ऐसी परिस्थिति होती है, तो संविधान में न्याय करने के हेतु यह प्रक्रिया दी है कि वह तत्सम्बन्ध में निर्देश जारी करे। संविधान के अनुच्छेद 142 में यह व्यवस्था है। इस प्रावधान के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल व अन्य पिटीशन्स अनुच्छेद 32 के तहत् दर्ज रजिस्टर की गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट में रिट् पिटीशन नं. 295/2022 (व अन्य) तामीर को तोडने के बाबत दर्ज रजिस्टर की गई हैं। खण्डपीठ ने अपने आदेश दिनांक 2.9.2024 से सभी पक्षकारों को अपने अपने सुझाव देने के हेतु आग्रह किया। पीठ ने सुझावों को नचिकेता जोशी, एडिशनल एडवोकेट जनरल, मध्यप्रदेश को भेजने के लिये कहा। उनसे कहा कि वे प्राप्त सुझावों को पीठ को इकट्ठा कर भेजेंगे। श्री नचिकेता ने प्राप्त सुझावों को कम्पाइल कर न्यायालय को भेजा। कई प्रकार के सुझाव जनता ने भेजे हैं। सभी ने आशीयाना तोडने का विरोध किया। किसी ने कहा परिवार के एक आदमी की गलती के कारण अन्य सभी परिवार के सदस्यों को बेघर नहीं किया जावे। किसी ने कहा बिना कारण बताओ नोटिस के घर तोडना अनुचित है। प्राय: सभी ने कहा बिना सुनवाई का अवसर दिये घर/दुकान से बेदखल करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त की अवहेलना है। किसी ने कहा जो अफसर मनमाने ढंग से घर गिराता है तो इसे कोर्ट की अवमानना माना जावे उसकी जिम्मेदारी तय होना चाहिये और उसके खर्चे से दुबारा बनबाना चाहिये। कई ने कहा किसी भी परिवार के लिये घर एक सपना है, वह कई सालों की मेहनत का फल है। घर मूलभूत अधिकार है। परिवार की महिलायें व बच्चे सडक पर आ जावें यह अनुचित है। अवैध निर्माण गिराने में पक्षपात नहीं होना चाहिये। किसी ने सुझाव दिया कि सजा के नाम पर घर तोडना असंवैधानिक है उचित नहीं है। तोड़ने के लिये यह बतलाना होगा कि पूरा घर तोड़ना ही विकल्प था। तोडने से पहले नोटिस देना व पर्याप्त समय देना उचित प्रक्रिया होगी।

संक्षेप में सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने जो निर्देश अनुच्छेद 142 के तहत जारी किये हैं वे निम्नलिखित हैं:–

1) निर्माण को ध्वस्त करने से पूर्व कारण बताओ नोटिस दिया जावे। यह नोटिस 15 दिन का होना चाहिये।
2) नोटिस की प्रति रजिस्टर्ड डाक से मालिक को भेजी जावे तथा दूसरी प्रति सम्पत्ति के बाहर चस्पा की जावे।
3) नोटिस में स्पष्ट किया जावे कि अवैध निर्माण की प्रकृति का क्या आधारहै।
4) संबंधित प्राधिकारी मालिक को अपना पक्ष रखने का अवसर दे। इसका विवरण सरकार रेकार्ड में लिखा जावे।
5) सम्पत्ति तोडने का अन्तिम नोटिस जारी करते समय अधिकारी मकान मालिक द्वारा प्रस्तुत की गई दलीलों का विवरण दे।
6) अवैध निर्माण तोडने की वीडियोग्राफी की जावे। रिपोर्ट निकाय पोर्टल पर डाली जावे।
7) दिशा निर्देशों की पालना न करने पर उसे अदालत की अवमानना मानकर कार्यवाही हो।
8) अधिकारी को बतलाया जावे कि गलत तरीके से अथवा दुर्भावना से की गई कार्यवाही में लिप्त पाये जाने पर तोडी गई सम्पत्ति का पुन: निर्माण उन्हें कराना होगा। क्षतिपूर्ति भी करनी होगी तथा व्यक्तिगत हर्जाना भी देना होगा।
9) एक भाग अनाधिकृत है तो यह बतलाना होगा कि पूरी सम्पत्ति को ध्वस्त करना एक मात्र विकल्प क्यों है।
10) सम्पत्ति ढहाने के आदेश के विरूद्ध कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का अवसर मिलना चाहिये।
11) अवैध निर्माण गिराने में पक्षपात नहीं होना चाहिये।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भारत एवं इटली के मध्य सांस्कृतिक सेतु थे डॉ. एल.पी. टैसिटोरी

22 नवंबर को डॉ. एल. पी. टैसिटोरी की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि

डॉ. दुलीचंद मीणा

इटली के फ्लोरेंस विश्वविद्यालय में लुई द इंडियन के नाम से मशहूर एल पी टैस्सिटोरी ने अपने गुरूदेव शास्त्र विशारद् जैनाचार्य श्री विजय धर्म सूरी को लिखे पत्र में लिखा कि, ''मैं भारतवर्ष इसलिए आया हूँ क्योंकि मैं भारतवासियों, यहाँ की भाषा एवं साहित्य से प्रेम करता हूँ। मैं अभी तक कुंवारा हूं इस वक्त मैं 25 वर्ष का हूं। मैं भारतीय लड़की के सिवाय किसी दूसरी से शादी नहीं करूँगा।'' डॉ. तैस्सितोरी के उक्त विचार भारत एवं राजपूताना के प्रति उनकी आस्था एवं प्रेम को अभिव्यक्त करते हैं। राजस्थानी भाषा के महत्त्व को स्वीकार करने वाले डॉ. तैस्सितोरी पहले विदेशी विद्वान थे जिन्होंने राजस्थानी की मुक्त कंठों से इन शब्दों मे प्रशंसा की–

''मनैं जित्तो प्रेम म्हारी मातभासा इटालियन सूं है, उण सूं बेसी राजस्थानी सूं है,
कारण इण में बळ है, तेज है, ओज है, मिठास है, अर आ बड परबार भासा है।''

राजस्थान के इतिहासकारों में जो स्थान कर्नल टॉड का है, वही स्थान राजस्थान के साहित्यकारों में डॉ. लुइजि पियो तैस्सितोरी का है। डॉ. तैस्सितोरी का जन्म 13 दिसम्बर, 1887 को उदीने (इटली) में हुआ। उदीने में अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद तैस्सितोरी ने फ्लोरेंस विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ उन्होंने भाषा विज्ञानी ग्राजियाडियो इसिया एसकोली से प्रभावित होकर संस्कृत पाठ्यक्रम में दाखिला लिया तथा संस्कृत के विद्वान प्रोफेसर पाओलो एमीलियो पावोलिनी के निर्देशन में ''तुलसीदास की रामचरितमानस एवं वाल्मीकि रामायण'' का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया जिस पर उन्हें पीएचडी की उपाधि मिली। पहले यह शोध-प्रबंध इतालवी भाषा में तथा बाद में अंठोजी में 'इण्डियन एंटीक्वेरी' के दो भागों में प्रकाशित हुआ। प्राच्य भाषाओं के महान विद्वान डॉ. ग्रियर्सन डॉ. तैस्सितोरी की प्रतिभा से बहुत प्रभावित थे। उन्होंने भारत सरकार को भारतीय रियासतों के मध्यकालीन इतिहास तथा वीरगाथा काव्य के शोध हेतु डॉ. तैस्सितोरी की सेवाएं प्राप्त करने की सिफारिश की। डॉ. ग्रियर्सन की सिफारिश पर ऐसियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल, कलकत्ता द्वारा डॉ. तैस्सितोरी को चारणी एवं ऐतिहासिक शोध सर्वेक्षण कार्य का अधीक्षक के पद पर नियुक्ति पत्र जारी किया।

यूरोप में जब प्रथम विश्वयुद्ध के बादल मंडरा रहे थे तब डॉ. तैस्सितोरी 12 मार्च, 1914 को नेपल्स से यूरोपियन जलयान 'रोमां' से रवाना होकर बम्बई होते हुए 11 अप्रेल, 1914 को कलकत्ता पहुँचे। वहाँ उन्होंने एशियाटिक सोसायटी को पत्र लिखकर राजपूताना में जाकर राजस्थानी भाषा का अध्ययन करने का आवेदन किया गया जिसे स्वीकार कर लिया गया। बीकानेर के महाराजा श्री गंगासिंह के आमंत्रण पर तेस्सितोरी जोधपुर होते हुए बीकानेर पहुँचे। वहाँ उन्हें पहले 4 महीने तथा बाद में एक वर्ष के लिए बीकानेर राज्य में रखा गया।

महाराजा गंगा सिंह ने उन्हें दरबार की लाईब्रेरी के काव्य व ऐतिहासिक सामठी का अध्ययन कर भविष्य के लिए कार्ययोजना बनाने का काम सौंपा गया। राजस्थान व राजस्थानी भाषा के प्रति तैस्सितोरी के रग-रग में प्रेम भरा हुआ था। उन्होंने डिंगल साहित्य की अपूर्व सेवा की। उन्होंने डिंगल साहित्य की अमूल्य निधि 'वचनिका राठौड़ रतनसिंह जी री महेस दासोत खिडिया जगारी कही', 'बेलि क्रिसन रुकमणी री', 'छन्द राव जैतसी रो' का संपादन किया और एशियाटिक सोसायटी से उन्हें प्रकाशित करवाया। राजस्थानी भाषा की ढूंढाड़ी बोली के ग्रंथ कर कुंडरी कथा का इटालियन भाषा में अनुवाद कर संपादन किया। श्री तैस्सितोरी ने अपभ्रंश, गुजराती व राजस्थानी भाषा का सांगोपांग अध्ययन किया जिसके आधार पर 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थान का व्याकरण' शीर्षक से एक शोध निबंध लिखा। जिसकी प्रशंसा में प्रसिद्ध भाषाविद् डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी ने लिखा है कि, पुरानी राजस्थानी, उच्चारण, रीति, रुपतत्व और वाक्य रीति के पूरे विचार के साथ तैस्सितोरी की आलोचना ऐसी महत्वपूर्ण है कि इसे मारवाड़ी तथा भाषा-तत्व की बुनियाद यदि कहा जायें तो अत्युक्ति न होगी। डॉ. नामवर सिंह ने इस निबंध का हिंदी में अनुवाद कर हिन्दी पाठकों के लिए सुरमय बनाया हैं।

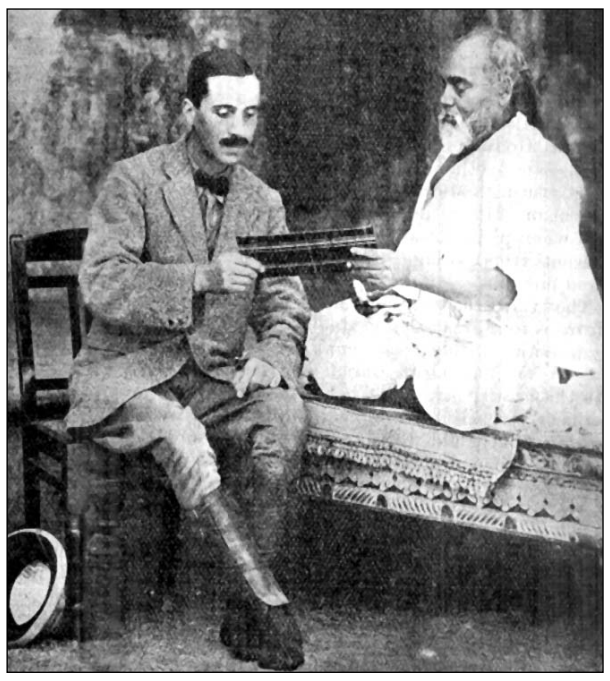

जैनाचार्य श्री विजय धर्म सूरी के साथ

डॉ. तैस्सितोरी भाषा शास्त्री के साथ-साथ अपनी पुरातात्विक पारखी दृष्टि से ऐतिहासिक एवं पुरातत्वविद भी साबित हुए हैं। उन्होंने अपने अन्वेषण मे मृण मूर्तियाँ, प्रस्तर प्रतिमाओं, शिलालेखों व मुद्राओं का संग्रह किया जो बीकानेर के राज्य संग्रहालय में संग्रहित है। उन्होंने पुरातात्विक अवशेष रंगमहल, मालिखेडी, बडोपल, कालीबंगा व पीलिबंगा आदि....

–डॉ. दुलीचंद मीणा,
आर.ए.एस.

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने पैदल यात्रा पर निकले विराग मधुमालती उदयपुर पहुंचे

उदयपुर, (कासं)। सौ दिन तक खुद की आंखों पर पट्टी बांधकर नेत्रदान की जागरूकता फैलाने के बाद अब नवी मुंबई से विराग मधुमालती पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देने के लिए 1200 किलोमीटर की पैदल यात्रा ग्रीन वॉकेथोन पर निकले हैं। विराग 961 किलोमीटर की पदयात्रा पूरी करने के बाद बुधवार को उदयपुर पहुंचे। गायक विराग नवी मुंबई से 14 सितंबर को निकले थे जो नाकोड़ा जी तक जाएंगे। उदयपुर पहुंचने के साथ उन्होंने 24 घंटे लगातार 111 किलोमीटर पैदल चलकर पर्यावरण के जागरूकता हेतु इतिहास रचते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक ऑफ़ इंडिया में नाम दर्ज करवाया। वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विराग इससे पहले पांच बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाकर भारत का मान बढ़ा चुके हैं।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते विराग मधुमालती।

- **नवी मुंबई से विराग मधुमालती पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देने के लिए 1200 किलोमीटर की पैदल यात्रा ग्रीन वॉकेथोन पर निकले हैं**

उदयपुर पहुंचे विराग ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि सेव मदर अर्थ मिशन के जरिये उनका लक्ष्य 1 लाख पेड़ लगाने का है और अब तक उनकी टीम 31000 से ज्यादा पेड़ लगा चुकी है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा 14 सितंबर को नवी मुंबई से शुरू हुई थी जो नाकोड़ा भैरव देव के दर्शन के साथ विराम लेगी। इस 1200 किलोमीटर की पैदल यात्रा में उनकी पत्नी वंदना वानखेड़े भी साथ है जो पूरी टीम की व्यवस्थाएं संभाल रही है। उन्होंने कहा कि वे एक पार्श्वगायक गायक है ऐसे में नवी मुंबई से शुरू इस पैदल यात्रा के दौरान सुबह चलना शुरू करते हैं और जहां मुमकिन हैं वहां वृक्षारोपण करते हैं। इसी के साथ रात्रि विश्राम के दौरान भक्ति संगीत के माध्यम से आसपास के लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित करते हैं। पर्यावरण रक्षा के लिए उन्होंने आजीवन प्लास्टिक की बोटल में पानी नहीं पीने का भी संकल्प लिया है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने 1200 किलोमीटर की पैदल यात्रा का संकल्प ले चुके विराग की पत्नी वंदना ने बताया कि इससे पहले भी वे नेत्रदान के लिए लोगों को जागरूक कर चुके हैं। एक बार उनकी मुलाकात एक दृष्टिबाधित गायक से हुई थी उसके बाद उन्होंने भी 100 दिन तक अपनी आँखों पर पट्टी बांधे रखी। वे आँखों पर पट्टी बाँधकर ही कई जनजागृति के कार्यक्रम करते थे। इस दौरान उनकी तबियत ख़राब हो गई और आँखों की पट्टी ना खोलने पर आजीवन अंधे हो जाने की नौबत आ गई, लेकिन उसके बाद भी उन्होंने 100 दिन के बाद ही पट्टी खोली और नेत्रदान के लिए लगातार जागरूकता फैलाते रहे। मूल रूप से सिविल इंजीनियर विराग शास्त्रीय संगीत के अध्येता भी हैं। वे आज भी शास्त्रीय संगीत के नियमित रियाज के साथ ही पार्श्वगायक, गीतकार, संगीत निर्देशक, प्रोड्यूसर और फिल्म निर्देशक भी हैं। उनका नवी मुंबई में प्रॉडक्शन हाउस है, जहां पर फिल्म से जुड़े सभी कार्य करते हैं। वे एक गुरुकुल की स्थापना भी करने जा रहे हैं जहां फिल्म और संगीत से जुड़ी बारीकियों का ज्ञान देने के साथ ही युवाओं को इंडस्ट्री में अवसर प्रदान किया जाएगा।

सरकारी स्कूलों के 12 हजार टीचर्स का प्रमोशन

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने 11 हजार 911 टीचर्स को प्रमोट कर दिया है। अजमेर में राजस्थान लोक सेवा आयोग मुख्यालय पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर द्वारा विभाग में शीघ्र सभी पदोन्नति (डीपीसी) करने के निर्देशों के बाद आज विभाग में 11 हजार 911 कार्मिकों की पदोन्नति सूची जारी की गई। जारी की गई पदोन्नति सूची में 88 उपाचार्य, 485 प्रधानाध्यापक, 24 उप जिला शिक्षा अधिकारी, 20 पुस्तकालय अध्यक्ष ग्रेड-1, 3564 प्राध्यापक (विभिन्न विषय) वर्ष 21-22 तथा 6966 प्राध्यापक (विभिन्न विषय) वर्ष 22-23 शामिल है। इसके अतिरिक्त 663 शारीरिक शिक्षक और 93 पुस्तकालय अध्यक्ष शामिल है।

- **शिक्षा विभाग में डीपीसी पिछले काफी से समय से लंबित थी, जिसको लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अधिकारियों को डीपीसी तुरंत करने के निर्देश दिए थे**

शिक्षा विभाग में डीपीसी पिछले काफी से समय से लंबित थी। जिसको लेकर शिक्षा मंत्री चिंतित थे तथा अधिकारियों को डीपीसी तुरंत करने के निर्देश दिए थे। इससे सब्जेक्ट टीचर्स मिलेंगे, प्रिंसिपल और लेक्चरर की कमी दूर होगी।

प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि डीपीसी की प्रक्रिया अभी रुकेगी नहीं तथा विभाग में शेष रही पदोन्नति की सूचियां भी शीघ्र ही जारी की जाएगी। इसके बारे में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पदोन्नत हुए सभी कार्मिकों को शीघ्र ही पदस्थापन कर दिया जाएगा।

राशिफल शुक्रवार 22 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र सायं 5:10 तक, ब्रह्म योग दिन 11:33 तक, बव करण सायं 6:08 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:10 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सायं 5:10 तक है। आज से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष मास आरम्भ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:15 तक, लाभ-अमृत 8:15 से 10:54 तक, शुभ 12:13 से 1:32 तक, चर 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:56, सूर्यास्त 5:30

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन एवं आवश्यक कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपके आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक वाद-विवाद टालना ठीक नहीं रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

'बजट घोषणा के तहत बन रही सड़कें समय से पूरी करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आज राज्य के सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राज्यमंत्री मंजू बाघमार, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अति मुख्य सचिव (सी.एम.कार्यालय) शिखर अग्रवाल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव (सी.एम. कार्यालय) आलोक गुप्ता तथा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

जयपुर, 21 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश में आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का निर्माण हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रदेश में सड़क निर्माण एवं संधारण सहित महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के निर्माण कार्यों को पूर्ण जिम्मेदारी एवं समयबद्धता के साथ पूरा करें।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा एवं अन्य घोषणाओं के तहत बनने वाली सड़कों के निर्माण कार्य को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जांच करने एवं गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि, राजस्थान में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की डी.पी.आर. जल्द तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चल रहे राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास कार्यों की भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यों में गति लाई जाए एवं आगामी परियोजनाओं की जल्द डी.पी.आर. तैयार करवाई जाए। उन्होंने राजस्थान में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को लेकर निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार इनकी डी.पी.आर. जल्द तैयार कराएं, जिससे इनका कार्य प्रारंभ हो सके। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत संचालित सड़क निर्माण कार्यों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों एवं आर.एस.आर.डी.सी. द्वारा संचालित भवन निर्माण, ब्रिज कार्य एवं सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बारां एस.पी. के खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी

डीडवाना, 20 नवम्बर (निसं)। डीडवाना के सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पंकज तिवारी ने बारां के एस.पी. राजकुमार चौधरी के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। न्यायाधीश ने बारां एस.पी. के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। साथ ही डीडवाना एस.पी. को निर्देश दिए हैं कि बारां एस.पी. को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जाए।

अपर लोक अभियोजक महावीर चतुर्वेदी ने बताया कि सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में मौलासर थाना क्षेत्र के सुदरासन गांव का एक फौजदारी मामला दर्ज है, जिसकी जांच बारां एस.पी. राजकुमार चौधरी ने की थी। जांच के बाद, उन्हें अनुसंधान अधिकारी होने के नाते, अपने बयान अभियोजन साक्ष्य के रूप में कोर्ट में दर्ज करवाने थे। इसके लिए कोर्ट ने उन्हें 19 बार नोटिस देकर तलब किया, लेकिन बारां एस.पी. कोर्ट में पेश नहीं हुए। इसके बाद उन्हें नए बी.एन.एस. कानून के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अभियोजन साक्ष्य के बयान दर्ज करवाने के लिए तलब किया गया, लेकिन फिर भी बारां एस.पी. पेश नहीं हुए। कोर्ट ने इसे बड़ी लापरवाही माना और अब बारां एस.पी. राजकुमार चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। साथ ही डीडवाना एस.पी. को पत्र लिखकर बारां एस.पी. की गिरफ्तारी वारंट की पालना उप निरीक्षक या सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी से सुनिश्चित करवाने के आदेश दिए हैं।

■ डीडवाना के न्यायिक मजिस्ट्रेट ने, 19 बार नोटिस जारी करने के बाद भी साक्ष्य के लिये नहीं आने पर बारां के एस.पी. राजकुमार चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया।

अलवर के स्कूल मालिक के घर 15 लाख की डकैती

शहर के बीच, पॉश इलाके में हुई इस घटना ने नागरिकों में भय उत्पन्न किया

अलवर, 21 नवम्बर। (निसं)। निजी स्कूल के मालिक के घर 15 लाख रुपए से ज्यादा की डकैती हुई है। डकैत आरोपी बुजुर्ग दम्पति को बंधक बनाकर घर में करीब डेढ़ घंटे तक लूटपाट करते रहे। बुधवार देर रात घर में घुसे पांच बदमाशों ने कैश के साथ ज्वैलरी और गिफ्ट के लिफाफों तक में से पैसे निकाले और ले गए। दम्पति के बेटे-बहू बरेली शादी में गए हुए हैं। शहर के बीचोंबीच स्थित पॉश इलाके में हुई इस डकैती ने सभी को डरा दिया है। लूट की यह वारदात रात करीब डेढ़ बजे आर्यनगर (स्कीम नंबर एक) इलाके में हुई।

■ स्कूल मालिक के बेटा-बहू शादी में बरेली गये हुए थे। पांच नकाबपोश बदमाशों ने स्कूल मालिक व उनकी पत्नी को बांध कर कमरे में बंद किया और डेढ़ घंटे लूटपाट की।

जयपुर रोड पर स्थित चिनार पब्लिक स्कूल के मालिक हरीश चंद गर्ग (80) ने बताया कि घटना के समय वे और उनकी पत्नी ही घर में थे। पांच बदमाश घर के बेसमेंट से ऊपर की तरफ आए थे। बदमाशों ने पहले मुझे बंधक बनाया। उन्हें उस समय हाथ-पैर बांध कर एक कमरे में पटक दिया। मुंह पर टेप लगा दी। बुजुर्ग महिला तारा देवी (75) ने बताया कि दो-तीन बदमाशों ने कमरे में आकर उन्हें पकड़ लिया था। वे चिल्लाने लगीं तो उनका मुंह दबा दिया। उनका हाथ फ्रैक्चर है, तब भी बदमाशों ने दोनों हाथों को पीछे की तरफ रस्सी से कसकर बांध दिया। मुंह पर टेप लगाने से पहले, तिजोरी की चाबी के बारे में पूछा। मना किया तो उन्होंने खुद ही चाबी ढूंढ ली। आरोपियों नकदी, चांदी के सिक्के, जेवर, सब समेट कर एक थैले में भर लिया। महिला ने बताया कि उनका बेटा सी.ए. है। वह घर आएगा, तब ही पता चलेगा कि कितनी नगदी और जेवर थे।

बताया गया है कि तिजोरी लूटने के बाद उन्होंने घर की दूसरी अलमारियों में रखे गिफ्ट के लिफाफों और गुल्लक तक में से पैसे निकाले लिए। रात करीब 3 बजे आरोपी घर से निकले। बदमाशों के जाने के बाद जैसे-तैसे बुजुर्ग महिला ने खुद के पैर से रस्सी को खोला। इसके बाद अपने पति के हाथ-पैर खोले। सूचना पर पड़ोस में रहने वाले एक रिश्तेदार घर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

पुलिस सी.सी.टी.वी. के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी है। घर में लगे सी.सी.टी.वी. में 5 नकाबपोश बदमाश सीढियां चढ़ते नजर आ रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बदमाश बेसमेंट से होते हुए घर के अंदर घुसे। बुजुर्ग दंपती का बेटा नीरज गर्ग (सी.ए.), उसकी पत्नी और दोनों बेटे दो दिन पहले बरेली में रिश्तेदार के यहां शादी में गए थे।

इस बीच, घर में सफाई करने वाली महिला के अलावा कोई नहीं आया था। बेसमेंट का दरवाजा खुला था, ये जांच का विषय है। पड़ोसियों का कहना है कि एक दिन पहले बाइक पर कुछ युवक घूम रहे थे। संभावना है कि रेकी के बाद वारदात को अंजाम दिया गया।

गोगामेडी हत्याकांड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गत अगस्त माह में अपने परिजनों से फोन पर बात कराई गई थी। इसके बाद न तो उनकी परिजनों से फोन पर बात कराई गई और न ही उनसे मुलाकात कराई गई। इसके अलावा, उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जा रहा है, जबकि संविधान के तहत हर आरोपी को अपने परिजनों से बात करने और मिलने का मौलिक अधिकार है। इसके जवाब में जेल प्रशासन ने कहा कि राज्य सरकार के 10 दिसंबर, 2019 के आदेशानुसार, विदेशी बंदियों, एन.एस.ए. राज.पासा, कोफेपोसा, यू.ए.पी.ए. एक्ट के अंतर्गत विचाराधीन कैदियों को फोन सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, ऊधम सिंह की आवेदन करने पर परिजनों से मुलाकात कराई गई है और नितिन व रामवीर के साथी बंदी से मारपीट करने के कारण 17 सितंबर, 2024 को मुलाकात करने के लिए पन्द्रह दिन की पाबंदी लगाई गई है। इसके अलावा, उनकी ओर से मुलाकात का कोई आवेदन भी नहीं किया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि 5 दिसंबर, 2023 को रोहित व नितिन ने घर में घुसकर गोगामेडी की गोली मार कर हत्या कर दी थी।

कीनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकन फेडरल कानूनों का उल्लंघन करना शामिल है, के जरिये, 2 अरब डॉलर का लाभ कमाने की योजना बनाई गई थी।

'यासीन मलिक से जिरह के लिए जेल में अदालत लगाने की सोचें'

सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. से इस बारे में विकल्प तलाशने के निर्देश दिये

नयी दिल्ली, 21 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू की अदालत के कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक से आमने-सामने जिरह करने के लिए जेल में अदालत स्थापित करने का सुझाव दिया तथा गुरुवार को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस संबंध में विकल्प तलाशने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह निर्देश देते कहा, हमारे देश में अजमल कसाब को भी निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिया गया था...उच्च न्यायालय में उसका पक्ष रखने के लिए वकील नियुक्त किया गया था।

जम्मू की एक अदालत ने भारतीय वायुसेना के चार कर्मियों की हत्या और 1989 में मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़े मामले में जिरह के लिए मलिक की पेशी का आदेश दिया था। मलिक आतंकवादी गतिविधियों की फंडिंग मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद दिल्ली की तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सीबीआई ने मलिक को जम्मू-कश्मीर ले जाने के आदेश का विरोध करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

■ सी.बी.आई. ने रूबैया सईद के अपहरण के मामले में गवाहों से जिरह के लिए यासीन मलिक को जम्मू-कश्मीर ले जाने के आदेश का विरोध किया।

सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा कि मलिक अक्सर पाकिस्तान की यात्रा करता रहा है। वह हाफिज सईद के साथ मंच साझा करता रहा है। मेहता ने शीर्ष अदालत से कहा कि मलिक "सिर्फ एक आतंकवादी नहीं है" और "ऐसे मामलों में नियमों के अनुसार नहीं चला जा सकता। मलिक ने मामले में गवाहों से जिरह करने के लिए स्वयं रूप से उपस्थित होने की अनुमति की गुहार लगाई।

शीर्ष अदालत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंस पर जिरह नहीं करता है। श्री मेहता ने दलील देते हुए कहा कि अदालत ने कहा था कि इस मामले में मलिक को भौतिक रूप से पेश होने की अनुमति देना उचित नहीं है। पीठ ने कनेक्टिविटी के मुद्दे का हवाला दिया। सॉलिसिटर जनरल ने अपनी ओर से स्पष्ट किया कि कनेक्टिविटी है। उन्होंने कहा कि अगर वह इस बात पर अडे रहते हैं कि वह व्यक्तिगत रूप से जिरह करना चाहते हैं तो मुकदमे को स्थानांतरित किया जा सकता।

पीठ के समक्ष मेहता ने मलिक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी हाफिज सईद के साथ मंच साझा करते हुए मलिक की एक तस्वीर दिखाई।

आप ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 11 प्रत्याशी घोषित

नयी दिल्ली, 21 नवम्बर। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पी.ए.सी.) की बैठक में आज उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गयी। पहली सूची के उम्मीदवारों में छतरपुर से ब्रह्मा सिंह तंवर, किराडी से अनिल झा, विश्वास नगर से दीपक सिंघला, रोहतास नगर से सरिता सिंह, लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी, बदरपुर से राम सिंह नेताजी, सीलमपुर से जुबैर चौधरी, सीमापुरी से वीर सिंह धींगान, घोंडा से गौरव शर्मा, करावल नगर से मनोज त्यागी, मटियाला से सुमेश शौकीन शामिल हैं। आप ने पहली सूची में कांग्रेस और भाजपा छोड़कर आए नामों को प्राथमिकता दी है। 11 में से छह सीटों पर दूसरे दलों से आए प्रत्याशी घोषित किए गये हैं। अनिल झा, बी.बी. त्यागी और ब्रह्म सिंह तंवर कुछ दिनों पहले ही भाजपा से आप में शामिल हुए हैं।

■ आप ने पहली सूची में कांग्रेस व भाजपा छोड़ कर आये नेताओं को प्राथमिकता दी है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने तेलंगाना सरकार को नोटिस दिया

लगचार्ला गाँव वासियों के उत्पीड़न व शारीरिक शोषण की शिकायत पर रिपोर्ट मांगी

नयी दिल्ली, 21 नवंबर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एन.एच.आर.सी) ने तेलंगाना पुलिस द्वारा विकाराबाद जिले के लगचार्ला गांव के निवासियों का उत्पीडन तथा शारीरिक शोषण करने और उन्हें झूठे आपराधिक आरोपों में फंसाने की शिकायत पर राज्य सरकार से इस पर रिपोर्ट मांगी है।

गुरुवार को जारी आयोग की एक विज्ञिप्त के अनुसार, उसने तेलंगाना के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, आयोग ने मामले की घटनास्थल पर जांच के लिए तुरंत अपने विधि तथा अन्वेषण अधिकारियों की एक संयुक्त टीम वहां भेजने का निर्णय किया है जो एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

कथित तौर पर पुलिस ने यह मनमानी तब की जब ग्रामीणों ने उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना प्रस्तावित "फार्मा विलेज" के लिए राज्य के भूमि अधिग्रहण का विरोध किया था। यह भी कहा जा रहा है कि इन कथित पुलिस अत्याचारों का शिकार हुए लोग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े समुदायों के हैं। उनमें से कम से कम 12 पीड़ितों ने शिकायत की और आयोग से मुलाकात कर, उन्हें भुखमरी से बचाने के लिए मामले में हस्तक्षेप करने की प्रार्थना की थी।

■ आयोग ने तेलंगाना के मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। आयोग अपने विधी एवं अन्वेषण अधिकारियों की टीम भी मौके पर भेजेगा।

यह भी शिकायत है कि 11 नवंबर को जिला कलेक्टर अन्य अधिकारियों के साथ प्रस्तावित फार्मा परियोजना के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण की घोषणा करने के लिए लगचार्ला गांव पहुंचे। उसी शाम कथित तौर पर कुछ स्थानीय असामाजिक तत्वों के साथ सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने गांव पर छापा मारा और विरोध कर रहे ग्रामीणों पर हमला किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को भी नहीं बख्शा। इस दौरान वहां इंटरनेट सेवाएं और बिजली आपूर्ति भी कथित तौर पर बंद कर दी गई थी।

यह भी आरोप है कि पुलिस ने महिलाओं सहित ग्रामीणों के खिलाफ झूठी शिकायतों पर एफ.आई.आर. दर्ज की, जिससे कुछ पीड़ितों को डर के कारण अपने घर छोड़ने और भोजन, चिकित्सा सहायता, बुनियादी सुविधाओं आदि के बिना जंगलों और खेतों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

बताया जा रहा है कि राज्य सरकार ने एक अत्याधुनिक फार्मा सिटी की बनाने के लिए पिछली सरकार द्वारा पहले से ही अधिग्रहित आलीशान 16,000 एकड़ जमीन होने के बावजूद एकतरफा रूप से कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में एक फार्मा गांव तैयार करने के लिए 1,374 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करके का फैसला किया है। जिस भूमि को अब बिना किसी पूर्व सूचना के जबरन अधिग्रहित किया जा रहा है, वह उपजाऊ कृषि भूमि है, जो पीढ़ियों से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणियों के व्यक्तियों के पास है।

अडानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाँच- पड़ताल भारतीय करें। लेकिन सम्भवत: वे ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि वे रिश्वत देने वाले, और "बिग बॉय" को हर कीमत पर बचाएंगे। "बिग बॉय" अर्थात भारत के प्रधानमन्त्री का संरक्षण ही अडानी को इतना आगे लाया है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में 20 प्रतिशत तक गिरावट

नयी दिल्ली, 21 नवंबर। अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी और उनके कुछ वरिष्ठ अधिकारियों पर अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से "झूठे और भ्रामक" तथ्यों के आधार पर धन जुटाने की अरबों डॉलर की योजना में उनकी कथित भूमिका को लेकर अमेरिका की एक अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किए गए हैं।

इस बीच, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में बी.एस.ई. पर 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई। अडानी समूह की प्रमुख कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर बी.एस.ई. पर 20 प्रतिशत गिरकर गुरुवार को पूर्वाह्न में 2256.20 रुपये प्रति शेयर तक आ गया था।

जयपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शादी समारोह में सोनिया गांधी भी हिस्सा ले सकती हैं। इस शादी समारोह में गांधी परिवार 3 दिनों तक जयपुर में रहेगा। प्रियंका गांधी अपने परिवार के साथ तीन दिन पहले ही रणथंभौर टाइगर रिजर्व में आ चुकी थीं। अब वे पति रॉबर्ट वाडा, बेटा रेहान और बेटी मिराया के साथ जयपुर आई हैं। एक सप्ताह पहले भी चुनाव प्रचार के बीच प्रियंका गांधी विशेष विमान से जयपुर एयरपोर्ट पर आईं थीं और बेटे रेहान को जयपुर एयरपोर्ट पर उतारकर वापस चुनाव प्रचार के लिए चली गई थीं।

'गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अडानी ने अमेरिकन एवं भारतीय कानूनों को तोड़ा है। मुझे हैरानी है कि 2000 करोड़ रुपए के घोटाले व कई अन्य कारनामों के बाद भी यह आदमी खुला क्यों घूम रहा है।"

उन्होंने हैरानी जतायी कि झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों को तो मिनटों में गिरफ्तार कर लिया पर इस व्यवसायी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया, "मैं जनता को बताना चाहता हूँ कृपया ध्यान दीजीए। अडानी ने 2000 करोड़ रु. का घोटाला किया है पर अडानी को ना तो गिरफ्तार किया जाएगा न ही उन पर कोई जांच होगी क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी उनसे जुड़े हुए हैं।"

बाद में भाजपा प्रवक्ता सम्बित पात्रा ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून अपना काम करेगा।

उन्होंने कहा, सन् 2002 से ही राहुल व उनकी मां सोनिया गांधी और कांग्रेस मोदी की छवि खराब करने में जुटे है पर उन्हें सफलता नहीं मिली है और जिस दिन विपक्षी पार्टी प्रधानमंत्री पर निशाना साध रही है उस दिन एक पराए देश में उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल रहा था। "

प्रैस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पात्रा ने कांग्रेस तथा उसके मित्रदलों द्वारा शासित राज्यों में अडानी ग्रुप के निवेशों का उल्लेख किया।

पात्रा ने कहा, "इसने (अडानी ग्रुप) ने 25 हजार करोड़ तथा 65 हजार करोड़ रू. क्रमश: छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उस समय निवेश में उस समय निवेश किये, जब वहाँ भूपेश बघेल और अशोक गहलोत की सत्ता थी। इसके अलावा, अडानी ग्रुप ने 45 हजार करोड़ रूपये का निवेश द्रमुक-शासित तमिलनाडु में किया, और हाल ही में, उन्होंने 100 करोड़ रू. का दान एक स्किल डवलपमेन्ट फाउन्डेशन के लिए तेलंगाना के मुख्यमन्त्री रेवन्त रेड्डी को दिया है।"

भाजपा नेता ने पूछा, "अगर अडानी "भ्रष्ट" हैं तो कांग्रेस सरकारें उनकी कम्पनी से निवेश क्यों माँग रही है।"

राहुल गांधी पर अपना हमला जारी रखते हुये, पात्रा ने राफेल सोदे के खिलाफ कांग्रेस नेता के आरोपों का जिक्र किया।

पात्रा ने कहा, "आज राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रैस कॉन्फ्रेंस बुलाई। एक बार फिर, उन्होंने वैसा ही व्यवहार दर्शाया, जो चीजों को उसी प्रकार प्रकार प्रस्तुत किया, जैसे वे करते हैं। प्रैस कॉन्फ्रेंस में कुछ भी नया नहीं था। उनके पास कुछ पास कुछ नाम हैं, और कुछ निश्चित तरीके हैं, जिन्हें काम में लेते हुये, वे प्रैस कॉन्फ्रैंस करते हैं तथा भाजपा और प्रधानमन्त्री मोदी के खिलाफ आरोप लगाते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूँ.... जिस तरह से हमने केस दर्ज किया, सिर्फ प्रैस कॉन्फ्रेंस की नहीं बुलाई... आप भी केस दर्ज कीजिये, कोर्ट जाइये। राहुल गांधी ने अपनी पी.सी. में कहा कि कांग्रेस पार्टी न्यायपालिका का काम भी कर रही है। माँ-बेटे दोनों खुद तो जमानत पर हैं और न्यायपालिका का कार्य कर रहे हैं। इनमें से आधे लोग जमानत पर हैं और न्यायपालिका का कार्य कर रहे हैं।

अमेरिका के डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस ने अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी तथा "अडानी ग्रीन" को अन्य वरिष्ठ एग्जीक्यूटिव्स पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सोलर पावर कॉन्ट्रैक्टों पर हस्ताक्षर कराने के लिये भारत सरकार के अधिकारियों को 26.50 करोड़ डॉलर रिश्वत दी या प्रस्तावित की।

अडानी तथा अन्य पर अमेरिका में उन्हीं प्रोजेक्टों के लिए कथित रूप से पैसे उगाहने का अभियोग लगाया है। अडानी तथा अन्य ने इसे लिये वादा किया है कि उनकी फर्म रिश्वत विरोधी कानूनों पर अटल रहती है।

अडानी ग्रुप ने अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स द्वारा लगाये गये आरोपों को खारिज किया है। इस बिजनेस ग्रुप ने एक बयान में कहा, "अमेरिका के डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस तथा यूएस सिक्यूरिटीज एंड ऐक्सचेंज कमीशन द्वारा "अडानी ग्रीन" के निदेशकों पर लगाये गये अरोप निराधार हैं तथा खरिज किये जाते हैं।"

'शिक्षक की वार्षिक वेतन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सांभर लेक में गणित विषय के द्वितीय श्रेणी शिक्षक पद पर कार्यरत है। विभाग ने दिसंबर, 2021 में उसे आरोप पत्र जारी किया और अगस्त, 2023 में उसकी एक वार्षिक वेतन वृद्धि संचयी आधार पर रोक ली। इसके खिलाफ उसने शिक्षा निदेशक के समक्ष अपील पेश की, जिसे शिक्षा निदेशक ने गत 26 जुलाई को खारिज करते हुए कहा कि वह विद्यार्थियों को अध्यापन के दौरान अंग्रेजी भाषा नहीं बोलता है। दोनों आदेशों को चुनौती देते हुए कहा गया कि उसने संपूर्ण पढाई हिंदी भाषा में की है। इसके अलावा, वह नियुक्ति वर्ष 2015 से वर्ष 2023 तक हर साल सौ फीसदी परीक्षा परिणाम देता आया है। यह स्कूल पहले हिंदी माध्यम ही था, जिसे बाद में अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित किया गया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की वेतन वृद्धि रोकने के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'मतदान का अधिक प्रतिशत भाजपा के पक्ष में'

मुंबई 21 नवंबर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र फडनवीस ने गुरुवार को कहा कि राज्य में बुधवार को हुए मतदान के उच्च प्रतिशत का श्रेय महायुति सरकार के विभिन्न विकास कार्यों और लाडली बहिन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं को जाता है और संकेत दिया कि इसके भाजपा के पक्ष में काम करने का अनुमान है।

■ उपमुख्यमंत्री फड़नवीस ने एक्ज़िट पोल के एक दिन बाद दावा किया।

फड़णवीस का यह बयान एग्ज़िट पोल के एक दिन बाद आया है, जिसमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का अनुमान लगाया गया है।

नागपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, मतदान प्रतिशत में वृद्धि को एक सत्ता समर्थक कारक माना जा सकता है और यह दर्शाता है कि लोगों ने वर्तमान महायुति सरकार को स्वीकार किया है और समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि जब भी मतदान में वृद्धि होती है, यह भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों के लिए फायदेमंद साबित होती है और यह हमारे पिछले अनुभव से स्पष्ट होता है।

पड़नवीस ने आगे कहा कि सरकार की संरचना और मुख्यमंत्री के बारे में सभी निर्णय महायुति के तीनों दलों के नेताओं द्वारा सामूहिक रूप से लिये जाएंगे।

कार्यरत शिक्षक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपीलार्थी को सरप्लस घोषित कर दिया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि अपीलार्थी के स्थान पर अन्य कार्मिक के आने से उसे सरप्लस घोषित नहीं किया जा सकता।

वह नियमानुसार विभाग की ओर से आयोजित साक्षात्कार में सफल होकर इस पद पर काम कर रहा है। ऐसे में उसे सरप्लस घोषित करने और अन्य जगह पदस्थापित करने पर रोक लगाई जाए।

याचिका पर सुनवाई करते हुए, अधिकरण ने याचिकाकर्ता को सरप्लस घोषित कर हटाने के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

फ्लैट बेचने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी मामले में इनामी गिरफ्तार

आरोपी फरारी के दौरान दिल्ली व बेंगलुरु में ठिकाने बदल-बदल कर रह रहा था

कोटा, (निसं)। भीमगंज मंडी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फ्लैट बेचने के नाम पर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पिछले एक साल से फरार चल रहे आकृति लैण्डकॉन कंपनी के डॉयरेक्टर ललित किशोर चतुर्वेदी को गिरफ्तार किया है। फरार आरोपी पर पुलिस ने पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था।

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि फरार वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि भीमगंजमंडी क्षेत्र से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी ललित किशोर चतुर्वेदी को मोस्ट वांटेड की सूची में रखा गया था। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी फरारी के दौरान दिल्ली व बेंगलुरु में ठिकाने बदल-बदल कर एशो-आराम से रह रहा था। पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना मोस्ट वांटेड आरोपी जवाहर नगर निवासी ललित किशोर चतुर्वेदी (65) को कोटा से गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

कोटा पुलिस ने फरार धोखाधड़ी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

- आकृति लैण्डकॉन कंपनी के फरार मोस्ट वांटेड डायरेक्टर को गिरफ्तार किया
- आरोपी ने बैंक का करोड़ों का लोन नहीं चुकाया, जिस पर बैंक ने एनओसी नहीं दी थी

भीमगंजमंडी थाना अधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी ललित किशोर चतुर्वेदी को गिरफ्तार किया। फरार आरोपी ललित किशोर चतुर्वेदी ने खेड़लीफाटक इलाके में एक मल्टीस्टोरी बनाकर लोगों को फ्लैट बेचे थे, लेकिन आरोपी ने बैंक का करोड़ों रुपयों का लोन नहीं चुकाया जिस पर बैंक ने एनओसी नहीं दी। थाना अधिकारी ने बताया कि आरोपी ललित किशोर चतुर्वेदी पर एक ही फ्लैट को दो से अधिक व्यक्तियों को बेचने का भी आरोप है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिये कई बार बैंगलुरू ओर दिल्ली में भी उसके ठिकानों पर दबिश दी गई। आरोपी के खिलाफ थाने में धोखाधड़ी के पांच मामले दर्ज हैं। थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि पीड़ित लोगों ने जनवरी 2023 में मामला दर्ज कराया था। मामले में आकृति लैण्डकॉन कंपनी के दो डॉयरेक्टरों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका था। मामले में एक डॉयरेक्टर ललित किशोर चतुर्वेदी फरार चल रहा था। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

महिला ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती डांगियावास स्थित बिसलपुर गांव में एक महिला ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया।

डांगियावास पुलिस ने बताया कि बिसलपुर की रहने वाली 32 साल की पूजा पत्नी ठाकुरराम सुथार ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसके परिजन खेड़ापा के डांवरा निवासी जगदीश सुथार की तरफ की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। शव को कार्रवाई कर परिजन को सौंप दिया गया। वहीं निकटवर्ती मथानिया के नेवरा गांव में करंट लगने से एक कृषक की दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि परिजन उसे ओसियां अस्पताल लेकर गए, मगर डॉक्टर ने मृत बता दिया। इस बारे में उसके भाई की तरफ से रिपोर्ट दी गई है।

मथानिया पुलिस ने बताया कि नेवरा गांव निवासी लक्ष्मणराम पुत्र बचनाराम जाट अपने खेत पर काम कर रहा था। तब विद्युत लाइन की चपेट में आ गया और वह बुरी तरह घायल हो गया। परिजन को पता लगने पर उसे तत्काल ओसियां अस्पताल लेकर गए, मगर यहां पर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। इस बारे में अब उसके भाई मोहनराम की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने कार्रवाई कर शव परिजन को सुपुर्द किया।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/SI/2024/13007 Date : 20-11-2024

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 37/2024-25 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 30-11-2024 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – DLB2425SLOB12108

Commissioner,
Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/24/8089

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

क्रमांकः– एफ.10/SBM/2024–25/13596 दिनांकः– 20.11.2024

:: ई–निविदा सूचना संख्या ::

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है। UBN NO.DLB2425WSOB12079

राज.संवाद/सी/24/8106 महापौर आयुक्त

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. जिला खण्ड इटावा

क्रमांकः 873 दिनांक :- 12/11/2024

निविदा सूचना संख्या 11/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 28.11.2024 को 06:00 बजे तक।

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB09569	2	PWD2425WSOB09570
3	PWD2425WSOB09571	4	PWD2425WSOB09572
5	PWD2425WSOB09573	6	PWD2425WSOB09574

(नरेश चौधरी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड इटावा

DIPR/C/11312/2024

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम (राज.)

मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर

क्रमांक-751 दिनांक-14.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या

इस कार्यालय के अधीनस्थ चिकित्सा संस्थानों मे गोज, बेन्डेज एवं कॉटन लिये जाने के लिए पंजीकृत फर्मो से इस कार्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित अन्य आवश्यक विवरण पर https://eproc.rajasthan.gov.in/ देखे जा सकते है। उक्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास होगा। निविदा की अनुमानित लागत 225.00 लाख रु. एवं बोली प्रतिभूति राशि (अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत राशि 4,50,000/-) एवं बोली प्रपत्र शुल्क 1500/- रु. का डी.डी. जिला स्वास्थ्य समिति, जयपुर प्रथम एनयूएचएम फ्लेक्सीपूल के नाम से देय होगा। उक्त के अतिरिक्त राशि रू. 2000 का डीडी MD RISL के नाम से प्रतिभूति राशि एवं बोली प्रपत्र राशि की डीडी मूल ही कार्यालय मे जमा करवाना अनिवार्य है। मूल डीडी के अभाव में संबंधित फर्म का टेण्डर स्वीकार नहीं किया जावेगा।

NIB- MHS2425A2690, UBN- MHS2425GLRC03884, Mob.: 9829147735

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जयपुर प्रथम

DIPR/C/11418/2024

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2024-25/20590-606 निविदा सूचना /2024-25 Date:20.11.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू)	निविदा सूचना संख्या
Renovation of Old Hospital & Misc. work for New Hospital, Jaisalmer. UBN:RRC2425WLOB00637	550.00 Lakh	ई-321/24-25
Construction of ITI College at Nohar District Hanumangarh. UBN:RRC2425WLOB00656	619.09 Lakh	ई-325/24-25
SITC of HV AC System at MDM Hospital, Jodhpur. UBN:RRC2425WLOB00644	600.00 Lakh	
SITC of various Passenger Lifts work at Medical College, Tonk. UBN:RRC2425WSOB00639	266.00 Lakh	ई-326/24-25
SITC of HV AC work at Medical College Tonk. UBN:RRC2425WSOB00640	226.67 Lakh	
Construction of New Road from Civil Airport Jaisalmer to Sam Road. UBN:RRC2425WLOB00635	1573.28 Lakh	ई-329/24-25
Constrction of New Road from Ramgarh Road to Sam Road. UBN-RRC 2425WLOB00636	696.11 Lakh	

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलेड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://troads.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, WATER RESOURCES CIRCLE BARAN

क्रमांक-F-/SEWR/Circle/NIT-2/2024-25/1279 दिनांक-18.11.2024

संशोधन E-NIT No.- 02/2024-25 (Item No. 01 & 02)

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक F-/SEWR/Circle/NIT-2/2024-25/1188 दिनांक 06.11.2024 से ई-निविदा सूचना संख्या 02/2024-25 कुल 2 निर्माण कार्यों के लिए आमंत्रित की गई थी, जिसके आईएम संख्या 1-Construction of Right Main Canal of Ahmadi Minor Irrigation Project Tehsil- Kishanganj, Dist-Baran (Rs. 193.68 Lac) and 2-Construction of Pipe Culvert at Sunwas Rehabilitation colony under Hathiadeh Medium Irrigation Project Tehsil-Kishanganj, Distt.- Baran (Rs. 104.40 lac)* की निविदाओं को प्राप्त करने की दिनांक में अपरिहार्य कारणो से निविदा की डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक निम्नानुसार परिवर्तित/संशोधित की जाती।

Bidding Schedule	Earlier Dates	Revised Dates
Date for Downloading & Uploading of Tender Document	From 08.11.2024 (9:30 Hr) to 18.11.2024 (18:00 Hr)	From 08.11.2024 (9:30 Hr) to 25.11.2024 (18:00 Hr)
Date of Opening of Technical Bid	On date 19.11.2024 at 16:00 Hr onwards	On date 26.11.2024 at 16:00 Hr onwards

UBN NO. Item No.-01: WRD2425WSOB01120
UBN NO. Item No.-02: WRD2425WSOB01121

(P.C. Meena)
Superintending Engineer,
Water Resources Circle Baran

DIPR/C/11488/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक- अअ/2024-25/1699 दिनांक-13.11.2024

निविदा सूचना संख्या- 15 वर्ष 2024-2025

NIB NO. PWD2425A2637

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजकीय अम्बेडकर छात्रावास भवन मरम्मत, सांचौर व रानीवाडा हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे भवन रंगरोगन कार्य जिनकी लागत राशि रू. 44.80 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑन लाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	18 नवम्बर 2024, 9.30 बजे से 28 नवम्बर 2024, सायं 06.600 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदको को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.वी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN: PWD2425WSOB09645, 2. UBN: PWD2425WSOB09646

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/11407/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-करौली

क्रमांकः 4316 दिनांक 11.11.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्याः 01/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली में वर्षा से क्षतिग्रस्त विभिन्न सडकों एवं पुलियाओं का स्थायी पुनरूद्धार कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो एवं अनुभवी कन्सलटेंस से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट 'www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक हैं ।

Package No.	NIB No.	UBN No.
RJ-22-04/Flood/Permanent Restoration/2024-25/under Dn. Hindauncity	PWD2425A2600	PWD2425WSOB09535
RJ-22-05/Flood/ Permanent Restoration/2024-25/under Dn. Sapotra	PWD2425A2599	PWD2425WSOB09534
RJ-22-06/Flood/ Permanent Restoration/2024-25/under Dn. Sapotra	PWD2425A2599	PWD2425WSOB09536

(चन्द्र प्रकाश)
अधीक्षण अभियन्ता,
सा.नि.वि. वृत्त-करौली

DIPR/C/11322/2024

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़,जिला अजमेर (राज.)

क्रमांकः–नपकि/अन्यकर/2024/269 दिनांकः– 20.11.2024

–: प्रस्ताव के लिए अनुरोध ई-निविदा सूचना :–

निम्नाकित विवरण के अनुसार परिषद क्षेत्र मे गृहकर/नगरीय विकास कर के जी.आई.एस. सर्वे एवं कर संग्रहण हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध ई–निविदा एस.पी.पी. पोर्टल एवं ई–पोक्यूरमेट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 10.12.2024 को सांय 03:00 बजे तक आमंत्रित है। ई–निविदा दिनांक 11.12.2024 को सांय 03:00 बजे निविदा खोली जाऐगी। विस्तृत शर्तें ई–निविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई–पोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (करोड)	धरोहर राशि (लाख)	निविदा फार्म शुल्क	निविदा प्रोसंसिंग शुल्क
1.	Selection Of Bidder for Preparation of Web Portal For Municipal E-Governance Including Collection of Property Tax(UD Tax) And Other Revenue Including Issuance Of Notice & Bills, On Revenue Sharing Model, With Technical Handholding Support In Geo Tagging Of Properties And Updating Demand, Collection, Registers Etc. For The Next 05 Years	1.10 /-	2.20	5000/-	2500/-

UBN No. - DLB2425RFP0021 EPROC ID.- 2024_DLB_431904_1

सभापति
नगर परिषद् किशनगढ़

आयुक्त
नगर परिषद् किशनगढ़

राज.संवाद/सी/24/8104

दुल्लापुर केरी इलाके में खेत में पड़ा ड्रोन मिला

जांच के बाद कार्रवाई के लिए ड्रोन को जोधपुर भेजा

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के दुल्लापुर केरी इलाके में नहर किनारे ड्रोन पड़ा मिला। घटना पांच दिन पहले की है। इस संबंध में बीएसएफ की सूचना पर पुलिस ने बुधवार रात मामला दर्ज किया है। घटना के बाद बीएसएफ ने इस इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन यहां से कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु नहीं मिली। जांच एएसआई राजकुमार कर रहे हैं।

बीएसएफ को हिंदुमलकोट इलाके के भारत–पाक सीमा के प्रतिबंधित क्षेत्र में सौलह नवंबर को अलसुबह करीब दो बजे एक ड्रोन मिला था। गांव दुल्लापुर केरी के गांव छह सी नहर के पास मिला यह ड्रोन सही हालत में था। इस पर बीएसएफ ने इसे कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शुरुआती जांच के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। सर्च में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने पर इस संबंध में हिंदुमलकोट थाना पुलिस को जानकारी देकर मामला दर्ज करवाया गया है। श्रीगंगानगर जिले से सटे गांव हिंदुमलकोट में पहले भी ड्रोन के जरिए तस्करी के मामले सामने आए हैं। ऐसे में इस इलाके में पुलिस और बीएसएफ अलर्ट रहते हैं। ताजा मामले में बीएसएफ को ड्रोन मिलने के बाद उन्होंने इस संबंध में जांच की और कार्रवाई के लिए ड्रोन को जोधपुर भेज दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर मामला दर्ज करवाया गया। मामले की जांच एएसआई राजकुमार कर रहे हैं। बीएसएफ और पुलिस के अधिकृत सूत्रों ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच की जा रही है।

- पुलिस को सूचना देकर मामला दर्ज करवाया गया
- घटना के बाद बीएसएफ ने इस इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया

मां ने चार साल के बेटे की गला दबाकर हत्या की, गिरफ्तार

पति ने पीहर जाने से रोका तो मासूम बेटे को जान से मार डाला

सांभरझील, (निसं)। अपने ही चार वर्षीय मासूम पुत्र की निर्ममता से हत्या करने के मामले में पुलिस थाना रेनवाल, जिला जयपुर ग्रामीण ने महज 2 घंटे में ही वारदात का खुलासा कर आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार की गई आरोपी मां सरिता (25) पुत्री नन्दलाल हरिजन, निवासी बलुवा सकलडिहा, थाना बलुवा जिला चंदोली, उत्तरप्रदेश हाल पत्नी मुकेश कुमार जाट, निवासी बिरमपुरा मुण्डियागढ़, थाना रेनवाल, जिला जयपुर ग्रामीण की रहने वाली है।

घटना की जानकारी देते हुए आनन्द शर्मा, पुलिस अधीक्षक, जयपुर ग्रामीण ने बताया है कि 20 नवंबर को परिवादी मुकेश कुमार पुत्र पेमाराम जाट निवासी बिरमपुरा मुण्डियागढ़ थाना रेनवाल जिला जयपुर ग्रामीण ने एक रिपोर्ट पेश की, कि मेरा पुत्र दिक्षांत (4) मेरी पत्नी सरिता के साथ सो रहा था। सवेरे करीब छह बजे के आसपास उठा तो मेरी पत्नी सरिता जो कि वह उठकर कामकाज में जुट गई तथा मेरी नजर मेरी पत्नी की चारपाई पर पड़ी तब बच्चा कंबल में लिपटा हुआ था।

मेरी मां मोहनी देवी दूध लेकर मेरे बेटे दिक्षांत को पिलाने गई तब बच्चा पीला रंग का एवं जकड़ा हुआ था। उठाने पर वह उठा नहीं तो हम उसको सरकारी अस्पताल किशनगढ़ रेनवाल लेकर पहुंचे तो चिकित्सकों ने देखकर उसे मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट में परिवादी ने बताया कि था कि 19 नवंबर को मैं खाना खाकर अपने कमरे में जाकर सो गया। कमरे में मेरी पत्नी व मेरा बच्चा भी सो रहा था। रात्री में कमरे में हमारे अलावा कोई भी मौजूद नही था। मेरे बेटे को मेरी पत्नी सरिता ने ही गला दबाकर हत्या की है।

चार साल के बेटे की हत्या के आरोप में मां को गिरफ्तार किया।

इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनियां व पुलिस उप अधीक्षक वृत्त जोबनेर प्रियंका वैष्णव के सुपरवीजन व सुरेन्द्र कुमार थानाधिकारी रेनवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आसूचना संकलन कर बालक की माता सरिता से गहनता से पूछताछ की तो बताया कि मैं मेरे बच्चे के साथ मेरे पीहर जाना चाहती थी, लेकिन मेरे पति ने मेरे को मना कर दिया जिस पर मेरे को गुस्सा आ गया और मैने मेरे बालक की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी महिला सरिता द्वारा जुर्म स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार किया गया है।

ट्रक ने टैक्सी को मारी टक्कर, मां-बेटी घायल

पाली, (निसं)। पाली में एक ट्रक ड्राइवर ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए आगे चल रही टैक्सी को टक्कर मार दी। हादसे में टैक्सी में सवार मां–बेटी घायल हो गई। घटना के बाद ट्रक छोड़ ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इधर घायल मां–बेटी को उपचार के लिए बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया।

सदर थाना पुलिस के अनुसार लांबिया गांव निवासी 28 साल के राजेन्द्र पुत्र अमनाराम देवासी ने रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि 18 नवम्बर की दोपहर को आकड़ावास और खैरवा के बीच वह सवारियां लेकर जा रहा था। इस दौरान तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसकी टैक्सी को टक्कर मार दी। हादसे में टैक्सी में सवार पपली देवी और उनकी पुत्री गुंजन घायल हो गई। वहीं टैक्सी भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने की जहमत तक नहीं की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी ट्रक चालक की तलाश शुरू की।

बासना और टोडा गांव में जरख का आतंक, ग्रामीणों में दहशत

जमवारामगढ़, (निसं)। जमवारामगढ़ क्षेत्र के टोड़ा मीणा गांव की ढाणी दमका में जरख ने एक बार फिर से अपना आतंक फैलाया है। गुरुवार शाम को लगभग 4 बजे जरख ने रामधन बुनकर नामक व्यक्ति पर हमला कर दिया। रामधन अपने घर के बाहर था, तभी जरख ने अचानक उस पर झपट्टा मारा और उसे उठा ले जाने की कोशिश की। ग्रामीणों की सक्रियता के चलते जरख को पकड़ लिया गया और उसे एक मकान में कैद कर दिया गया।

घटना के चार घंटे बाद भी वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची है, जिससे ग्रामीणों में रोष है। लोग जरख के लगातार बढ़ते हमलों से डरे हुए हैं और वन विभाग की निष्क्रियता को लेकर सवाल उठा रहे हैं। यह पहली घटना नहीं है। कुछ दिनों पहले बासना गांव में भी एक जरख ने मकान में घुसकर एक बच्चे को उठा ले जाने की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद से आस–पास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण अपने बच्चों और जानवरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। जरख के हमले में घायल रामधन को पहले निम्स अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जरख के हमले से घायल रामधन बुनकर।

- जरख ने एक व्यक्ति पर हमला किया, जयपुर रैफर
- ग्रामीणों ने जरख को पकड़ एक मकान में कैद कर दिया

रामधन की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से जरख को तुरंत पकड़कर जंगल में छोड़ने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने इलाके में सुरक्षा बढ़ाने और जरख के संभावित खतरों से बचाव के लिए ठोस कदम उठाने की गुहार लगाई है। जरख के हमलों के बढ़ते मामलों ने इलाके के लोगों को दहशत में डाल दिया है। वन्यजीवों का गांवों की तरफ आना यह भी दर्शाता है कि उनके प्राकृतिक आवास में किसी प्रकार की कमी हो रही है।

नाडी डूबने से छात्र की मौत

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखण्ड क्षेत्र के निकतवर्ती ग्राम श्योपुरा के कक्षा सात में अध्यनरत छात्र की विद्यालय से घर जाते समय रास्ते में नाडी में डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार देवमाली विद्यालय में कक्षा 7 में अध्ययनरत श्योपुरा का छात्र पहलवान पुत्र बबलू विद्यालय से अवकाश होने के बाद वापस अपने घर जा रहा था। रास्ते में एक नाडी में गिर जाने पर उसके साथ आ रहे अन्य छात्रों ने उसके नाडी में गिर जाने की सूचना परिजनों को दी।

परिजनों को जानकारी मिलने पर परिजनों सहित नाडी पर पहुंचे ग्रामीणों ने छात्र की नाडी में तलाश की। बड़ी मशक्कत के बाद छात्र नाडी में डूबा हुआ मिला। परिजन अपने स्तर पर ही मसूदा चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां चिकित्सको ने जांच के बाद छात्र को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस को मिलने पर सहायक उप निरीक्षक घनश्याम मीना ने चिकित्सालय पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

ए.डी.ए. की कार्यवाही से नाराज युवक पानी की टंकी पर चढ़ा

अजमेर, (कासं)। अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों पर एक युवक फसल खराब करने का आरोप लगाते हुए पृथ्वीराज नगर स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस व एडीए के अधिकारियों ने समझाइश के बाद करीब पांच घंटे बाद युवक को नीचे उतारा। एडीए अधिकारियों ने युवक को उसकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है।

जानकारी के अनुसार अजमेर विकास प्राधिकरण की ओर से बुधवार को पृथ्वीराज नगर स्थित चौरसियावास निवासी सुलेमान की जमीन से कब्जा हटाया गया। इससे नाराज होकर 32 साल का सुलेमान गुरुवार सुबह पृथ्वीराज नगर स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गया। परिवार के लोग उसे तलाश करने लगे। इस दौरान उसके टंकी पर चढ़े होने की सूचना मिली। सूचना पर क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी अरविंद चारण पुलिस जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को नीचे उतरने के लिए समझाइश की। सूचना पर अधिकारी, पार्षद हामिद खान सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची। करीब 5 घंटे की समझाइश के बाद युवक पानी की टंकी से उतर गया।

फसल खराब करने का आरोप लगाते हुए एक युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया।

- युवक ने एडीए पर फसल खराब करने का आरोप लगाया
- पुलिस व एडीए अधिकारियों ने समझाइश के बाद युवक को नीचे उतारा

पीड़ित युवक ने बताया कि मुझे सुनवाई होने का आश्वासन दिया, जिसके बाद मैं नीचे उतरा हूं। कल भी मेरी मां पप्पू देवी ने अधिकारियों के पैर पकड़े थे। 12 साल से अपनी समस्या को लेकर परेशान हो रहा हूं। लगातार एडीए के चक्कर काट रहा हूं। मेरी इतनी कमाई नहीं कि मैं कोर्ट तक जा सकूं, जिसके कारण आज मुझे यह कदम उठाना पड़ा। कल हाथ–पैर जोड़ने के बावजूद भी एडीए ने फसल को बर्बाद कर दिया। मजदूरी करके यह फसल उगाई थी। मेरी यही मांग है कि मेरी पैतृक जमीन पर जमीन दी जाए।

मां पप्पू देवी ने बताया कि बेटा सुलेमान हॉस्पिटल जाने की कहकर घर से निकला था। सुबह 6:30 के करीब घर से निकला था। बेटे को जब ढूंढ रहे थे तब उसे टंकी पर चढ़ा हुआ देखा था। बेटा रोजाना मजदूरी करने के बाद एडीए के जाकर शिकायत देता था। कोई भी कार्रवाई एडीए की ओर से नहीं की जा रही थी, जिसके कारण परेशान होकर बेटा आज टंकी पर चढ़ गया।

जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरुआत करते हैं, लेकिन जब हारते हैं, तब भी तो ऐसा ही होता है। हम भारत से कोई बोझ लेकर नहीं आए हैं।

- जसप्रीत बुमराह

भारतीय गेंदबाज, पांच मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला कल से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पर्थ टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ओपनिंग कर सकते हैं। हालांकि, दावेदारों में अभिमन्यु ईश्वरन का भी नाम है। गिल के अंगूठे में फ्रैक्चर है। उनकी जगह पर तीसरे नंबर पर पडिक्कल तीसरे नंबर पर उतरेंगे। मिडिल ऑर्डर में चौथे नंबर पर विराट कोहली, पांचवें पर ऋषभ पंत और छठे पर जुरेल उतरेंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा पंत संभालेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया में ऐसा कोई टैस्ट नहीं जीता है, उसने ऑस्ट्रेलिया में 8 टैस्ट खेले हैं, जिनमें छह हारे तथा दो ड्रॉ रहे है।

राजस्थान-केरल अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच

राजस्थान के अनस दोहरे शतक से चूके

जयपुर, 21 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जा रहे बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता कूच बिहार ट्रॉफी के राजस्थान -केरल मैच के दूसरे दिन राजस्थान के बल्लेबाज अनस अपने दोहरे शतक से मात्र 2 रनो से चुके। अनस की शानदार शतकीय पारी व आकाश मुंडेल, जतिन के शानदार अर्धशतकों की सहायता से राजस्थान ने अपनी पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाया। राजस्थान के गेंदबाज गुलाब सिंह 57/4, आभास श्रीमाली 17/3, जतिन 34/2 व निर्मल बिश्नोई 28/1 विकेट प्राप्त करते हुए केरल को पहली पारी में मात्र 148 रनो के स्कोर पर आल आउट कर दिया। राजस्थान के बल्लेबाज अनस की शानदार शतकीय पारी, आकाश मुंडेल, जतिन के अर्धशतको की सहायता से राजस्थान ने अपनी पहली पारी दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 9 विकेट के नुकसान पर 457 रन बनाते हुए केरल के विरुद न केवल पहली पारी की बढ़त प्राप्त की साथ ही 309 रनो की विशाल बढ़त प्राप्त करते है। मैच में राजस्थान की पकड़ को मजबूत बनाया। अनस ने 239 गेंदों का सामना करते हुए 198 रनो की पारी खेली जिसमे 9 छक्के व 13 चोक्के शामिल थे। टीम के लिए अनस 198, आकाश मुंडेल 77, जतिन 64, पार्थ यादव 40 रन व दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक आभास श्रीमाली नाबाद 31 व गुलाब नाबाद 10 रन बनाकर खेल रहे हैं।

एडीलेड टेस्ट में रोहित की वापसी से भारतीय खेमे में व्यवधान की संभावना : रिकी पोंटिंग

पर्थ, 21 नवम्बर। आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3.1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा ," मेरा मानना है कि उनके अभियान में और व्यवधान की संभावना है जब रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से लौटेगा। मैं अभी भी कहता हूं कि आस्ट्रेलिया 3.1 से जीतेगा।"

उन्होंने कहा, "मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को रन बनाने होंगे। आस्ट्रेलिया की गेंदबाजी बहुत अच्छी है लिहाजा मैं अपनी भविष्यवाणी पर कायम हूं।" दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू होगा जो दिन रात का मैच होगा। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन बना चुके पोंटिंग का मानना है कि न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला में मिली हार के बावजूद भारतीय टीम काफी संतुलित है। उन्होंने कहा ," भारत को पता है कि पर्थ टेस्ट में उसकी टीम क्या होगी। उसे पता था कि रोहित इस टेस्ट में नहीं खेलेगा। यह भी पता था कि बुमराह कप्तान होगा। उन्हें पता था कि किन कमियों को पूरा करना है। टीम संतुलित लग रही है।"

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25

कई दिग्गज होंगे इंडिया वर्सेस ऑस्ट्रेलिया सीरीज में कमेंटेटर

पर्थ, 21 नवम्बर। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 के लिए क्रिकेट जगत में रोमांच दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज शुक्रवार 22 नवंबर से हो रहा है। वहीं इस सीरीज पर पूरी दुनिया की नजरें हैं, साथ ही कई फैंस को विराट कोहली से काफी उम्मीदे हैं। हालांकि, इससे पहले सीरीज में कमेंटेटर के नाम की लिस्ट सामने आ गई है।

वहीं पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा, जिसके लिए अंग्रेजी कमेंट्री का भार मैथ्यू हेडन, रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, वसीम अकरम, मुरली विजय, रसेल ऑर्नोल्ड औऱ मार्क निकोलस को चुना गया है। वहीं हिन्दी कमेंट्री कि जिम्मेदारी रवि शास्त्री, वसीम अकरम, चेतेश्वर पुजारा, सुनील गावस्कर, संजय मांजरेकर, जतिन सप्रू और दीप दास गुप्ता को सौंपी गई है। अंग्रेजी कमेंटेटर-मैथ्यू हेडन, रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, वसीम अकरम, मुरली विजय, रसेल आर्नोल्ड और मार्क निकोलस। हिन्दी कमेंटेटर-रवि शास्त्री, वसीम अकरम, चेतेश्वर पुजारा, सुनील गावस्कर, संजय मांजरेकर, जतिन सप्रू और दीप दास गुप्ता।

भारतीय टीम ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर कंगारू टीम के खिलाफ कुल 52 मैच खेले हैं, जिनमें से टीम इंडिया केवल 9 बार जीत दर्ज कर सकी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने 30 मौकों पर बाजी मारी है और 13 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदानों पर खेले गए आखिरी 10 मैचों में भारत को सिर्फ 2 बार हरा पाया है। चार बार टीम इंडिया ने बाजी मारी है, वहीं चार मुकाबले ड्रॉ पर छूटे थे।

ओजस्विनी सारस्वत ने आईजीयू नॉर्दर्न इंडिया लेडीज और जूनियर गोल्फ चैम्पियनशिप में चौथा राष्ट्रीय खिताब जीता

जयपुर, 21 नवम्बर। युवा गोल्फ खिलाड़ी, ओजस्विनी सारस्वत ने आईजीयू नॉर्दर्न इंडिया लेडीज और जूनियर गोल्फ चैंपियनशिप में अपनी शानदार खेल क्षमता का प्रदर्शन करते हुए इस वर्ष का चौथा राष्ट्रीय खिताब जीता है। यह चैंपियनशिप जेपी विशटाउन गोल्फ क्लब में आयोजित की गई थी, जहां ओजस्विनी ने प्रत्येक दिन 5 अंडर, 1 अंडर और 2 अंडर के राउंड खेलते हुए, 8 अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया। ओजस्विनी ने सात स्ट्रोक की बढ़त के साथ जीत हासिल की, जिससे भारतीय गोल्फ में उनकी स्थिति एक उभरते सितारे के रूप में और भी मजबूत हो गई है। उन्होंने अपने कोच लॉरेंस ब्रदरिज और इंडियन गोल्फ यूनियन का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में नियमित अभ्यास ने उनकी निरंतर सफलता में काफी योगदान दिया है।

नीतीश ने की भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 लाख देने की घोषणा

पटना, 21 नवम्बर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) जीतने पर बधाई दी और टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार भारतीय महिला हॉकी टीम की सभी खिलाड़ियों और मुख्य कोच को 10-10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा जबकि सहयोगी स्टाफ को पांच-पांच लाख रुपये मिलेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को राजगीर में फाइनल में मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, "मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के खेल की सराहना की, विशेषकर चीन के साथ फाइनल मैच के दौरान। यह बिहार में भारतीय महिला हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत है।

शूटिंग रेंज जगतपुरा में इंडिया ओपन शूटिंग शॉटगन प्रतियोगिता आज से

जयपुर, 21 नवंबर। 22 नवंबर से 2 दिसम्बर तक इण्डिया ओपन शूटिंग शॉटगन प्रतियोगिता 2024 का शुभारम्भ आज से राष्ट्रीय राईफल एसोसिएशन एव राजस्थान राईफल एसोसिएशन द्वारा ओएसिस शूटिंग रेंज जगतपुरा पर किया जा रहा है। जिसमें भारत के सभी प्रांतो से लगभग 500-600 खिलाडी भाग लेगे। इण्डिया ओपन शूटिंग शॉटगन प्रतियोगिता 2024 का आयोजन राजस्थान में पहली बार होने जा रहा है। इसको देखते हुए राजस्थान के खिलाडियो में काफी उत्साह है। ट्रेप, डबल ट्रेप, स्कीट के इवेंट में नये खिलाडी से लेकर ओलिम्पिक स्तर के खिलाडी भाग लेगे। एनआर व आईएसएसएफ फोरमेट में यह प्रतियोगिता आयोजित की जावेगी।

आरसीए के पूर्व सचिव अशोक ओहरी के निधन से खेल जगत में शोक

जयपुर, 21 नवम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने बताया कि आज आरसीए के पूर्व सचिव, बीकानेर जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष व वरिष्ठ खेल प्रशासक अशोक ओहरी के आकस्मिक निधन से समस्त राजस्थान क्रिकेट संघ व सम्बंधित जिला क्रिकेट संघो, राजस्थान खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। स्वर्गीय अशोक ओहरी ने राजस्थान क्रिकेट जगत व बीकानेर जिले में क्रिकेट के विकास व उत्थान के लिए हर संभव प्रयास किये व उनके ही प्रयासों से बीकानेर जिले ने राजस्थन को कई प्रतिभाशली व उच्च स्तरीय खिलाडी दिए जिन्होंने न केवल बीसीसीआई की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया जिनमे मुख्य रूप से रणजी ट्रॉफी, आईपीएल सहित कई ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं शामिल हैं। समस्त आरसीए एडहॉक कमेटी, राजस्थान क्रिकेट संघ व सम्बंधित जिला क्रिकेट संघ व खेल जगत ने अशोक ओहरी जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है व दु:ख की इस घड़ी में सभी शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।

जीत के साथ 'मिशन लॉस एंजिलिस 2028' का आगाज किया भारतीय महिला हॉकी टीम ने

राजगीर (बिहार), 21 नवम्बर। पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर पाने के गम को भुलाते हुए भारत की युवा और पहले से फिट महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखकर 'मिशन 2028 लॉस एंजिलिस' अभियान का आगाज किया। भारत की पुरूष जूनियर टीम को लखनऊ में 2016 में विश्व कप जिता चुके अनुभवी कोच हरेंद्र सिंह और इस टीम के लिये यह नयी शुरूआत है। अप्रैल में टीम के साथ फिर जुड़ने के बाद से हरेंद्र का एक ही लक्ष्य है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में, सिंधु हारी

शेन्जेन, 21 नवम्बर। भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी और लक्ष्य सेन ने डेनमार्क के खिलाड़ियों को हराकर गुरुवार को चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। वहीं महिला एकल वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हो गई है। आज यहां खेले गये मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने 15वें स्थान पर मौजूद डेनमार्क की रासमस कजेर और फेडरिक सोगार्द की जोड़ी को 21-19, 21-15 से मात दी। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहले गेम शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन डेनमार्क की जोड़ी ने 12-12 से स्कोर बराबर कर दिए। इसके बाद दोनों टीमों के बीच बराबरी का मुकाबला हुआ, लेकिन भारतीय जोड़ी ने आखिर में 21-19 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में अपनी लय को बरकरार रखते हुए सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 17-12 की बड़ी बढ़त बना ली और इस गेम को आसानी से जीतकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

33वां जी.वी. मावलंकर आल इंडिया शॉटगन शूटिंग कंप्टीशन-2024 में राजस्थान शूटर्स ने मारी बाजी

जयपुर, 21 नवंबर। 33वा जी.वी. मावलंकर ऑल इंडिया शॉटगन शूटिंग कंपटीशन-2024 का आयोजन आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट महौ में 16 से 23 नवंबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जे एस एम शूटिंग रेंज राजस्थान के युवा शूटर्स ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया और अपनें बेहतरीन प्रदर्शन से कहीं लोगों को प्रभावित किया। हेड कोच केशरी सिंह नाचना के नेतृत्व में राजस्थान का परचम लहराते हुए जिसमें क्ले पिजन स्कीट जूनियर मेन कैटेगिरी में त्रिकोणीय रिकॉर्ड दर्ज किया तथा तीनों पदक हासिल किये। स्वर्ण पदक अभिमन्यु सिंह नाथावत, रजत पदक अधिराज सिंह राठौर एवं कांस्य पदक रॉबिन राठौर नौसर ने अपने नाम किये। भविष्य में इसी प्रकार से अगर युवा पीढ़ी निरंतर शूटिंग खेल में प्रयास करती रही, तो उन्हें अपनी मंजिलों को हासिल करने में आसानी रहेगी और वो दिन दूर नहीं जिस दिन राजस्थान की युवा पीढ़ी पूरे विश्व में अपना परचम लहराएगी।

राजधानी

सी.एम. ने प्रस्तावित कृष्ण गमन पथ एवं जयपुर चारदीवारी के हैरिटेज विकास के बारे में चर्चा की

- **मुख्यमंत्री ने की पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा**
- **'पर्यटन सुविधाओं को विकसित करते हुए राजस्व वृद्धि के कार्यों में लाएं गति'**
- **'राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की हो प्रभावी निगरानी'**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, जैसलमेर में फॉसिल पार्क एवं ओपन रॉक्स म्यूजियम, चित्तौडगढ़ और आमेर में लाइट एण्ड साउण्ड शो का उन्नयन, वैर के सफेद महल, प्रताप फुलवारी एवं किले की मरम्मत एवं सौन्दर्यीकरण, रामगढ़ क्रेटर साइट व सांभर झील क्षेत्र को विकसित करने संबंधी कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने प्रस्तावित कृष्ण गमन पथ एवं जयपुर चारदीवारी के हैरिटेज विकास के लिए 100 करोड़ रुपये से संबंधित कार्ययोजना के बारे में विस्तृत चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों का वर्गीकरण करते हुए उच्च प्राथमिकताओं के उन कार्यों को त्वरित निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं, जहां पर्यटकों की आवक ज्यादा है और राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि अपेक्षित है।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रभावी ब्रान्डिंग करते हुए पर्यटन स्थलों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक यहां आए। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तथा मेलों उत्सवों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक से अधिक मार्केटिंग करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पर्यटन कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 2 वर्षों के अन्दर 20 हजार युवाओं एवं लोक-कलाकारों को पारम्परिक कला एंव आतिथ्य संबंधी प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के अधिकारी प्रदेश के प्राचीन स्मारकों और पेनोरमा को अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात स्थित स्मारकों का दौरा कर नवाचार एवं आदर्श गतिविधियों का अनुसरण करें। इससे पर्यटकों का ठहराव होगा और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत से रूबरू कराने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। जिला स्तर पर स्कूली विद्यार्थियों को क्षेत्रीय स्मारकों पर नियमित यात्राएं करवाई जाए। उन्होंने राजस्थान पर्यटन विकास निगम की सम्पत्तियों की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बजट में पर्यटन से संबंधित की गई सभी घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर उन्हें समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल्द ही नवीन पर्यटन नीति लाई जाएगी। इससे राज्य में पर्यटन की गति को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में इको, रूरल, हैरिटेज एवं एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास बोर्ड का गठन भी किया जा रहा है। पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन का 5.6 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने बताया कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत पर्यटन विभाग द्वारा एमओयू हस्ताक्षिरत किए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए बड़ी तादाद में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले देश की संस्कृति के गौरव : हरिभाऊ बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने तृतीय पद्म फेस्टिवल का उद्घाटन किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि मानव जीवन महत्वपूर्ण नहीं होता है, महत्वपूर्ण यह होता है कि मनुष्य उसे किस प्रकार आदर्श रूप में जीता है। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हें ही मिलती हैं जो निरंतर मेहनत करते हैं। देश की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास के लिए कार्य करने वाले ही पूज्य होते हैं। उन्होंने पद्म पुरस्कारों की चर्चा करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में यह इसलिए प्रदान किए जाते हैं कि इन्हें पाने वालों से प्रेरणा लेकर युवा पीढी उत्कर्ष जीवन की ओर आगे बढ सकें।

राज्यपाल बागडे गुरुवार को छत्रपति संभाजी नगर में ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन द्वारा आयोजित तृतीय पद्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती कविता पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि जीत उन्हीं की होती है जो निरंतर प्रयास करते हैं। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत के लिए निरंतर कार्य करने का आव्हान किया। उन्होने कहा कि यह बहुत अच्छी पहल है कि कोई फाउण्डेशन पद्म पुरस्कार पाने वालों के संवाद कार्यक्रम कर उनसे युवा पीढी को प्रेरणा देने की पहल कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन में ज्ञान का यज्ञ ही सबसे महत्वपूर्ण है।

बागडे ने कहा कि संस्कृति का अर्थ ही होता है-निरंतर जो परिवर्तन को लेकर चले। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। भारतीय संस्कृति इसीलिए विश्व भर में आज भी अपनी पहचान बनाए हुए कि इसमें नए परिवर्तनों को साथ लेकर चलने की क्षमता है। इसमें संस्कारों की सुगंध समाई हुई है।

आरंभ में उन्होंने पद्म पुरस्कार पाने वालों का अभिनंदन करते हुए ज्ञान फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर फाउण्डेशन के उमेश टाकळकर ने स्वागत उद्बोधन दिया। अध्यक्षीय भाषण श्री मिलिन्द केलकर ने देते हुए ज्ञानयज्ञ द्वारा पद्म पुरस्कार संवाद को महत्वपूर्ण बताया।

ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन की निदेशक वत्सला देशपांडे और श्री अजय देशपांडे ने बताया कि फाउंडेशन के अंतर्गत इस बार 13 पद्म पुरस्कार प्राप्त हस्तियों के 13 संवाद सत्र रखे गए हैं। इनके अंतर्गत उनके ज्ञान से दूसरों को भी प्रेरणा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव पर देश की संस्कृति और कलाओं पर कार्य करने के अंतर्गत यह तीसरा पद्मत उत्सव आयोजित किया गया है।

ग्रामीण विकास की समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुए किरोड़ी लाल

- **मुख्यमंत्री ने ली समीक्षा बैठक, भजनलाल कैबिनेट में ग्रामीण विकास मंत्री हैं किरोड़ी**

जयपुर। विधानसभा उप चुनावों में भाई को टिकट मिलने के बाद भी किरोड़ीलाल मीणा की नाराज़गी अभी तक दूर नहीं हुई है। शायद यहीं वज़ह है कि किरोड़ीलाल मीणा आज ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुए।

दरअसल, आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमओ में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली थी। लेकिन ग्रामीण विकास मंत्री के नाते किरोड़ी बैठक में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी बैठक में मौजूद रहे।

आपको बता दे कि लोकसभा चुनाव में दौसा सीट हारने के बाद किरोड़ी ने जयपुर में 4 जुलाई को इस्तीफा देने की सार्वजनिक घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 8 जून और 25 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस्तीफा भेजा था। लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ। जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री को इस्तीफा मेल कर दिया।

मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने सरकारी गाड़ी भी छोड़ दी थी। वहीं कैबिनेट बैठक में भी शामिल नहीं हो रहे थे। हालांकि किरोड़ी 28 सितम्बर को कैबिनेट बैठक में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि वे केवल प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के कहने पर बैठक में आए हैं। वे बैठक में भी मंत्री के नाते नहीं, बल्कि विधायक की हैसियत से ही शामिल हुए हैं। वही उपचुनावों के दौरान कृषि विभाग की ओर से जारी प्रेस नोट में भी डॉ किरोड़ी लाल मीणा का नाम मंत्री के रुप में जा रहा था।

किरोड़ीलाल मीणा आज अपने विधानसभा क्षेत्र सवाईमाधोपुर में रहे। इस दौरान वे एसपी के आवास पर पहुंचे। यहां एसपी की गैर मौजूदगी में उन्होने एसपी आवास पर आए ग्रामीणों की जनसुवाई भी की। दरअसल, आज सुबह खिरनी गांव से कुछ ग्रामीण अतिक्रमण की शिकायत लेकर किरोड़ीलाल मीणा से मिलने पहुंचे थे। जिस पर किरोड़ी ग्रामीणों को साथ लेकर एसपी आवास पहुंचे। लेकिन एसपी ममता गुप्ता आधिकारिक काम से भरतपुर गई हुई थी। किरोड़ी ने उनसे फोन पर ही बात की। सवाईमाधोपुर से किरोड़ी दोपहर बाद दौसा के लालसोट आ गए। लेकिन वे जयपुर नहीं आए।

संतों को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए : ज्ञानदेव आहूजा

जयपुर। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने जातिगत आरक्षण को समाप्त करने का बयान देकर इस मुद्दे पर छिड़ी बहस को और बढ़ा दिया है। रामभद्राचार्य के बयान के बाद जहां आरक्षित वर्ग आंदोलन कर रहा है, वहीं दूसरी ओर रामभद्राचार्य के इस बयान का भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कड़ा विरोध किया है। आहूजा ने संत रामभद्राचार्य को सलाह दी कि वे इस तरह के बयानों से बचें।

साथ ही आहूजा ने अधिकारियों-कर्मचारियों को लेकर नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल के बयान का भी समर्थन किया। पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कहा कि देश की 70 फीसदी आबादी को आज भी आरक्षण की जरूरत है। जातिगत आरक्षण अभी समाप्त नहीं होना चाहिए। जहां तक बात रामभद्राचार्य के जातिगत आरक्षण को लेकर दिए बयान की है, मैं इस बयान को सही नहीं मानता हूं। साधु संतों को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। उधर, एसडीएम थप्पड़ कांड के बाद पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने हनुमान बेनीवाल के उस बयान का भी समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने नरेश मीणा द्वारा एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने की बात का समर्थन किया था। आहूजा ने कहा कि नरेश मीणा ने जो किया, वह किस काल परिस्थिति में किया गया, यह देखने वाली बात है।

सिंगापुर के दल ने विधानसभा की संसदीय प्रणाली को बारीकी से समझा

- **राजस्थानी परम्परा से किया स्वागत, डिजिटल म्यूजियम को देखा**

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को सिंगापुर के प्रतिनिधि दल ने शिष्टाचार मुलाकात की। विधान सभा पहुँचने पर सिंगापुर से आये सभी प्रतिनिधियों की अतिथि देवो भव: की परम्परा से तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर अगवानी की। देवनानी ने प्रतिनिधि मंडल नेता वरिष्ठ राज्य मंत्री जेबिल पुथुचेरी को राजस्थान विधान सभा भवन की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया।

देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान विधान सभा की संसदीय प्रणाली की व्यवस्थाओं और सदन संचालन की परम्पराओं को बारीकी से समझा। देवनानी ने सदन की बैठकों, कार्य विन्यास, कार्य सूची, प्रश्नों, पर्ची व्यवस्था, लोक महत्व के विषयों पर स्थगन प्रस्ताव, विधेयकों के पुन: स्थापन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। देवनानी ने सिंगापुर के प्रतिनिधि मंडल, सिंगापुर विधान मंडल की संसदीय व्यवस्था के विश्लेषण के साथ विभिन्न विधान मंडलों की व्यवस्था को भी बताया। उल्लेखनीय है कि देवनानी हाल ही में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया और जापान के विधान मंडलों की अध्ययन यात्रा करके लौटे हैं। दल ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा।

देवनानी को प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान सुंदर प्रदेश है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य विस्तार की अपार संभावनाएं है। इस यात्रा से राजस्थान और सिंगापुर को नई दिशा मिलेगी। सिंगापुर से आये दल में वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, डेसमड टैन कोक मॅग, गेन सियो हुआंग, शॉन हुआंग, जी याओ क्यान, राचेल ऑग, सक्तियादी सुपाट सहित विधायक रुपेन्द्र सिंह कुन्नर, राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, जयपुर जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा मौजूद थे।

पढ़ाई के बाद जॉब करने के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनना है : डॉ मनमोहन सिंह

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन विद्या मंडप सभागार में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान व आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

मुख्य अतिथि आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि विद्यार्थी अपने क्षेत्र के लोगों का गुट बना लेते हैं। जबकि विद्यार्थियों को अलग-अलग जगह से आये विद्यार्थियों से सीखना चाहिए। अपनी सराउंडिंग बढ़ानी चाहिए। जितने ज्यादा लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे जीवन में उतने ही सफल होंगे। उन्होंने कहा कि कई बार विद्यार्थी अपनी समस्या खुलकर नहीं बता पाता। अंदर ही अंदर घुटने की बजाय समस्या को अपने दोस्तों, शिक्षक या माता पिता के साथ शेयर करनी चाहिए। हर समस्या का समाधान निकल सकता है।

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि हमें यहां से पढ़कर निकलने के बाद जॉब करने के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनना है। उनको जॉब दें जिन्हें पढ़ने का मौका नहीं मिला। विश्वविद्यालय में आने का मौका नहीं मिला। इंटरप्रन्योर बनें। आप सब देश का भविष्य हैं। वर्ष 2047 आपकी तरफ देख रहा है। आप सब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समेत अन्य तकनीकों का उपयोग कर अच्छे साइंटिस्ट बनें। खुद को प्रोत्साहित रखें, स्मार्ट बनें, कम्युनिकेशन स्किल अच्छी रखें। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि हमारे लिए सभी विद्यार्थी एकलव्य हैं। सभी डायमंड बनें। लाइफ में गोल फिक्स करें और उसे हासिल करें और देश के नवनिर्माण में अपना योगदान दें। जीवन में सफलता का मंत्र ही टाइम मैनेजमेंट है।

उन्होंने बताया कि हॉस्टल्स में खाने की क्वालिटी को बहुत बेहतर किया गया है। साथ ही विद्यार्थियों को पढ़ने और खेलने को लेकर बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जीवन में टाइम मैनेजमेंट सबसे महत्वपूर्ण है। ईश्वर सभी को दिन में 24 घंटे देता है। लेकिन इसका मैनेजमेंट बेहतरीन तरीके से कौन करता है। सफलता उसी में छिपी है। समय का भरपूर उपयोग करें। यह समय फिर नहीं आयेगा, डोंट वेस्ट योर टाइम इत्यादि शब्दों को हमेशा अपने जेहन में रखें। साथ ही सुझाव दिया कि सप्ताह में एक दिन मेस-डे भी हो ताकि विवि के अधिकारी, शिक्षक भी बच्चों के साथ मेस में खाना खाकर उसकी क्वालिटी चैक कर सकें।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी. के. यादव ने देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एसकेआरएयू की उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही कहा कि दो सप्ताह तक चलने वाले दीक्षारंभ कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ नीना सरीन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक मौजूद थे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम को कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान ने सबोधित किया।

- **राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन**

धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। फर्जी दस्तावेजों से धोखाधड़ी करने के मामले में जंक्शन थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस संबंध में कंस्ट्रक्शन कंपनी के भागीदार दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था।

जांच अधिकारी एसआई गजेन्द्र शर्मा ने बताया कि 8 नवम्बर को पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दर्ज हुए मुकदमे में ध्रुव रणवां पुत्र महावीर सिंह जाट निवासी न्यू सिविल लाइन, जंक्शन ने बताया कि उसकी आरएनसी बुडकॉन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जो निर्माण आदि का कार्य संविदा पर करती है। पीडब्लयूडी हिसार की ओर से खेरेकां से ओटू रोड बनाने के संबंध में फर्म निर्मल सिंह कॉन्ट्रेक्टर व मैसर्स एसडीएनआर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (जेवी) को कार्य आवंटन किया गया था।

बीआरओ की ओर से वैरिफिकेशन में भेजने पर 16 जनवरी 2023 को ई-मेल के जरिए स्पष्ट हुआ कि अनमोल कंस्ट्रक्शन कम्पनी के पार्टनरों कृष्ण जाट पुत्र बनवारी लाल व सुनीता रेवाड़ पत्नी कृष्ण कुमार जाट निवासी न्यू सिविल लाइन, जंक्शन की ओर से जो कार्य अनुभव के संबंध में प्रमाण पत्र पेश किया गया था, वह पीडब्लयूडी ऑफिस की ओर से जारी ही नहीं किया गया। वह एक फर्जी व कूटरचित दस्तावेज है।

सार-समाचार

मोतीगढ़ स्कूल का निरीक्षण किया

एडीओ सुनील बोडा ने राउमावि मोतीगढ़ का औचक निरीक्षण किया।

बीकानेर, (कासं)। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) बीकानेर सुनील बोड़ा ने गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीगढ़ का औचक निरीक्षण किया। शाला के कार्यक्रम अधिकारी मोहर सिंह सलावद ने बताया कि इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी बोड़ा ने शिक्षकों की बैठक लेकर सभी से विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाने व बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हेतु कार्य योजना बनाकर अध्यापन करवाने के लिए निर्देश दिए। बोड़ा ने सभी कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों की उपस्थिति जांचकर उनसे प्रश्न भी पूछे गए जिसके बाद अध्यापन का स्तर संतोषप्रद बताया। साथ ही कहा कि विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाई जाएं व सरकारी योजनाओं से बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में लाभांवित करवाएं। आईसीटी लैब के निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर प्राचार्य सीमा मैथिल व उप प्राचार्य हरिकिशन मेघवाल शाला में आयोजित होने वाली गतिविधियों से अवगत करवाया। इस अवसर पर व्याख्याता विनोद कुमार, रचना सारण, पीटीआई भजन लाल सहित सभी स्टाफ उपस्थित रहा।

चिकित्सा शिविर में 46 का उपचार

बम्बलू में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करते आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी।

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा यूनिवर्सिटी-सोशल रिस्पोंसिबिलिटी के तहत गोद लिए गांव बम्बलू में गुरूवार को आयुर्वेद विभाग बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आयुर्वेद विभाग, बीकानेर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र सिंगारिया के निर्देशन में शिविर का आयोजन किया। शिविर में 46 ग्रामवासियों का उपचार किया गया एवं आवश्यकता अनुसार आयुर्वेदिक दवाईयों का वितरण भी किया गया और मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु सुझाव दिए गए। इस शिविर में ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। शिविर के प्रभारी डॉ. सिंगारिया ने ग्रामवासियों को प्रमुख मौसमी बीमारियों जैसे डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया इत्यादि के बचाव एवं उपचार के बारे में जागरूक किया। चिकित्सा शिविर का प्रबंधन डॉ. मैना कुमारी, समन्वयक यूनिवर्सिटी सोशल सिस्पोंसिबिलिटी, राजुवास, बीकानेर के द्वारा किया। इस शिविर के आयोजन में डॉ. विनय कुमार, डॉ. सनी पंकज, डॉ. विश्वास, डॉ. जगदीश, ग्राम सरपंच सुमित्रा देवी, हेतराम कूंकणा, ग्राम विकास अधिकारी राजाराम चौधरी, शिक्षक प्रताप सिंह, भागीरथ कूंकणा, जैठाराम कूंकणा, लक्ष्मणराम कूंकणा, तौलाराम नाई आदि ग्रामवासियों का सहयोग रहा।

नाल दादाबाड़ी में किया दर्शन वंदन

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर संघ के जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरीश्वर महाराज अपने सहवृति मुनियों के साथ गुरूवार को पैदल विहार करते हुए नाल गांव में स्थित दादा जिन कुशल सूरी की दादाबाड़ी पहुंचे। उन्होंने मुनिवृंद के साथ दादा गुरुदेव के मंदिर में दर्शन वंदन तथा जाप किया। जैन श्वेताम्बर ओसवाल श्री खरतरगच्छ श्रीसंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन लाल नाहटा ने बताया कि रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे से बीकानेर की साध्वीश्री प्रभंजना महाराज आदि ठाणा शुक्रवार सुबह को नाल गांव जायेगा। नाल गांव में मुनि सुव्रत स्वामी के प्राचीन मंदिर में 23 से 26 नवम्बर तक प्रतिष्ठा महामहोत्सव आयोजित किया जायेगा। इसकी तैयारियां परवान पर है। धर्म चर्चा में जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर महाराज ने बताया कि बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत स्वामी वर्ण काला व प्रतीक चिन्ह कछुआ होने से समूचे हिंदुस्तान में उनके मंदिरों में सभी प्रतिमाएं काले कसौटी या अन्य काले पत्थर के संगमरमर की बनी हुई है। उन्होंने बताया कि देवात्मा के रूप में जीवन पूरा करने के के बाद राजा शूरश्रेष्ठ की आत्मा ने राजगृही नगरी में राजा सुमित्र व रानी पद्मावती के यहां तीर्थंकर के रूप में जन्म लिया। विवाह के बाद राजकुमार मुनिसुव्रत कुछ समय तक युवराज के पद पर रहे, तत्पश्चात उन्होंने दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के 11 माह बाद उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई। बीकानेर के मुनि सम्यक रतन सागर महाराज ने जैनाचार्य के विषय का विस्तृत वर्णन करते हुए धर्म चर्चा में बताया।

पॉल्यूशन बोर्ड ने पी.ओ.पी. की फैक्ट्रियों में भट्टियां देखी

बीकानेर,(कासं)। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम ने खारा औद्योगिक क्षेत्र में गांव के पास मिनरल जोन का जायजा लिया। हालांकि उनके पहुंचने से पहले ही पीओपी की सभी 40 फैक्ट्रियों को रात ही बंद कर दिया गया था। पूरे जोन में रास्तों पर पानी का छिड़काव कर धूल को दबा दिया गया।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के चीफ इंजीनियर प्रेमालाल और दो वैज्ञानिकों का दल मंगलवार देर रात अचानक खारा पहुंचा। उनके आने की सूचना इंडस्ट्रीज मालिकों को लगने के कारण फैक्ट्रियों को बंद करवा दिया गया था। इसलिए मिनरल जोन में वे फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं से प्रदूषण के हालात नहीं देख सके। यह दल बुधवार सुबह फिर से खारा पहुंचा। तब तक मिनरल जोन के रास्तों में जमा धूल को पानी छिड़कर दबाया चुका था।

धूल, गर्द को ढंकने के लिए फैक्ट्रियों की भट्टियों की चिमनियों पर भी पानी का छिड़काव किया गया है। उन्होंने एक फैक्ट्री पर लगी गैस भट्टी को देखा। फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं को कम करने, पर्टिकुलेट मैटर को

- **दल बुधवार सुबह फिर से खारा पहुंचा तब तक मिनरल जोन के रास्तों में जमा गर्द धूल को पानी छिड़क कर दबाया चुका था**

चिमनी में ही खत्म करने के मुद्दों पर फैक्ट्री मालिकों से चर्चा की। प्रोडक्शन की कार्यप्रणाली को समझा। गैस भट्टी के लिए एक साथ 30 कमर्शियल सिलेंडर लगाए गए हैं। इनके लगातार 9-10 घंटे चलने पर 30 टन के प्रोडक्शन का अनुमान लगाया गया है।

हालांकि यह काफी महंगा पड़ेगा। पर फैक्ट्री मालिकों का दावा है कि इससे प्रदूषण काफी कम हो जायेगा। दल में अधीक्षक वैज्ञानिक अधिकारी मनोज मीणा और वैज्ञानिक अधिकारी महेश मालव ने सभी तकनीकी पहलुओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रदूषण कम करने के लिए कई तरह के उपायों पर भी चर्चा की।

प्रदूषण को कम करने से संबंधित जरूरी हिदायतें भी दीं। खारा उद्योग संघ के अध्यक्ष परविंद्र सिंह सहित कई उद्यमी इस दौरान मौजूद थे।

ग्रामीणों ने कहा कि सरसों की पल्लर सस्ती पड़ती है, इसलिए सभी फैक्ट्रियों में भट्टियां इसी से चल रही हैं और प्रदूषण फैलने का कारण भी यही है। उन्होंने पल्लर के उपयोग पर पाबंदी लगाने की मांग बोर्ड से की है। गौरतलब है कि खारा गांव में वायु प्रदूषण के कारण बच्चे और बुजुर्ग अस्थमा से पीड़ित हो रहे हैं। यह मामला उजागर होने के बाद प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की टीम हालात का जायजा लेने आई है। खारा के राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल में मीटिंग हुई। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के चीफ इंजीनियर प्रेमालाल, क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार मीणा ने प्रिंसिपल सुमनलता सेठी से बच्चों को हो रही समस्याओं की जानकारी लिखित ली। उन्होंने बताया कि स्कूल में धूल की गर्द बिखरी रहती है।

इरफान कुरैशी को पी.एच.डी. की उपाधि

बीकानेर, (कासं)। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी इरफान कुरैशी को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

इरफान कुरैशी ने ईसीबी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ विकास शर्मा के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूरा किया। डॉ इरफान ने 'परमानेंट मेगनेट सिन्क्रोनस मोटर का एनालिसिस और कंट्रोल टेक्निक' विषय पर अपना शोध कार्य पूरा किया। कई अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं ने इस शोध को मान्यता देते हुए अपने संस्करण में छापा है। बीटीयू के कुलपति प्रो. अजय कुमार शर्मा और ईसीबी प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश जाखड़ ने शोधार्थी को बधाई दी।

डॉ इरफान ने अपने रिसर्च में ऐसा कंट्रोलर तैयार किया है जो इलेक्ट्रिकल व्हीकल मे गति और टोर्क को बेहतर करता है। परमानेंट मेगनेट सिन्क्रोनस मोटर में गति ओर टोर्क में उच्च गति जो उसकी नियत सीमा से ज्यादा हो उसमे भी टोर्क मे इंप्रूवमेंट किया है।

नाल के जिनालय में प्रतिष्ठा महोत्सव 23 से

बीकानेर, (कासं)। यहां नाल गांव में मुनि सुव्रत स्वामी के प्राचीन मंदिर में 23 से 26 नवम्बर तक प्रतिष्ठा महा महोत्सव होगा। इस मंदिर में मुनि सुव्रत स्वामी की काले कसौटी के पत्थर से बनी मूर्ति है, जो पाकिस्तान से लाई गई थी। इस मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के जैनाचार्य पीयूष सागर महाराज साधु संतों और साध्वियों के साथ सुबह करीब पांच बजे ढड्ढा चौक के कोठारी भवन और सुगनजी महाराज के उपासरे से नाल के लिए विहार किया।

जैन श्वेताम्बर ओसवाल श्री खरतरगच्छ श्रीसंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष रतनलाल नाहटा ने बताया कि नाल में दादाबाड़ी के पास स्थित भगवान मुनि सुव्रत स्वामी के शिखरबंद जिनालय का जीर्णोद्धार कार्य धरमपुर गुजरात के श्रीमदराजचंद्र मिशन के संस्थापक गुरुदेव राकेश भाई जवेरी की प्रेरणा और सहयोग से श्रावक पुरखचंद, धनराज, दीपचंद डागा, वीरमती देवी डागा परिवार के बीकानेर निवासी मुंबई प्रवासी अभय डागा-साधना देवी, आदित्य और युवराज डागा परिवार ने करवाया है। मुंबई प्रवासी बीकानेर निवासी अभय डागा ने बताया कि तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत स्वामी के मंदिर में 23 से 26 नवम्बर तक प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। प्रतिष्ठा के विशिष्ट सहयोगी मुंबई आर सूरत प्रवासी बीकानेर निवासी नवरतन, पवन पारख, उद्योगपति गणेश बोथरा और मनोज सेठिया है। जैनाचार्य जिन पीयूष सागर के सानिध्य में नूतन मंदिर में मूलनायक परमात्मा की प्रतिमा को 7 जुलाई 2024 स्थापित किया गया।

अब मूलनायक प्रतिमा के साथ दो अन्य तीर्थंकर परमात्मा, दादा गुरुदेव जिनदत्त सूरि, देवचन्द्र महाराज आदि की पांच प्रतिमाएं स्थापित की गई है। श्रावक-श्राविकाओं के लिए वाहन की व्यवस्था भी बीकानेर से मालेगांव तक प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए भांडाशाह जैन मंदिर के पास से होगी।

- **गपाक से लाये थे मुनि सुव्रत की कसौटी पत्थर से बनी प्रतिमा**

किसानों ने नहर में पानी की चोरी पकड़ी

अनूपगढ़, (कासं)। रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में गुरूवार सुबह किसानों ने पानी चोरी पकड़ी।

मौके पर नहर किनारे एक ट्रैक्टर खड़ा था। वहां एक चारपाई पर एक व्यक्ति भी बैठा था जो किसानों को देखकर मौके से फरार हो गया। किसानों ने इस संबंध में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया है। गंगनहर के प्रोजेक्ट चेयरमैन हरविंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें गुरूवार अलसुबह करीब 4 बजे समेजा नहर की भोमपुरा माइनर पर 38 एनपी मोघे के पास 6 इंच पाइप से पानी चोरी होने की जानकारी मिली।

मौके पर पहुंचे तो पानी चोरी करने के लिए पाइप लगा मिला। हरविंद्र सिंह ने बताया कि इस इलाके में टेल के किसान नहर में पानी नहीं मिल पाने की समस्या से परेशान हैं। ऐसे में किसान नहर पर नजर रखते हैं। गुरूवार को भी वे अलसुबह नहर के हालात देखने निकले तो समेजा नहर की भोमपुरा माइनर पर 38 एनपी मोघे के पास 6 इंच पाइप लगी मिली।

यहां से पानी खेत की ओर धकेलने के लिए कुछ अन्य सामान भी रखा हुआ था। किसानों के आने की जानकारी मिलते ही मौके पर बैठा एक किसान वहां से फरार हो गया।

युवक ने फांसी लगा जान दी

बीकानेर, (कासं)। जिले में आत्महत्या के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शहर के सदर थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी मिली है कि हनुमान हत्था निवासी 18 वर्षीय नीरज सिंह ने बीती रात को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। वहीं नोखा थानान्तर्गत रोड़ा गांव में विक्रम सिंह ने बबूल के पेड़ पर फांसी का फंदा लगा लिया। विक्रम ने 19 नवम्बर को यह खौफनाक कदम उठाया।

बीकानेर में सौर ऊर्जा से बनेगी 20 हजार मेगावाट बिजली

बीकानेर, (कासं)। जिले में सौर ऊर्जा से 20 हजार मेगावाट बिजली बनेगी। बीकानेर को सोलर हब बनाने में बाहरी कंपनियों के इन्वेस्टमेंट को देखते हुए अब स्थानीय कंपनियां भी मैदान में उतर गई हैं।

सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन को देखते हुए राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम नए जीएसएस लगाने की योजना बना रहा है। इससे बीकानेर जिले में सोलर ऊर्जा का बेहतर तरीके से ट्रांसमिशन किया जा सकेगा। पूगल, गजनेर, कोलायत, छत्तरगढ़ सहित अनेक स्थानों पर तेजी से सोलर प्लांट लग रहे हैं। जिससे क्षेत्र किसानों को बंजर जमीन के दाम मिलने लगे हैं और डवलपमेंट के साथ ही रोजगार भी मिल रहा है।

सोलर हब बन रहे बीकानेर में अभी 4504 मेगावाट बिजली बन रही है। 5190 मेगावाट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। इसके अलावा 10,000 मेगावाट से ज्यादा के एमओयू हो चुके हैं। खास बात है कि एमओयू करने वाली ज्यादातर कंपनियां बीकानेर की ही हैं।

तेज गर्मी और सूरज की चमचमाती धूप बीकानेर जिले को सोलर हब बनाने में वरदान साबित हो रही है। बीकानेर में 365 में से 325 सनी डेज माने जाते हैं। इसे देखते हुए सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाली कंपनियों ने अब जोधपुर, जैसलमेर के बाद बीकानेर का रूख कर लिया है। यहां की तेज धूप और सस्ती दरों पर उपलब्ध जमीनों के कारण अडानी, अंबानी, टाटा, महिन्द्रा जैसे बड़े ग्रुप सोलर प्लांट लगाने की तैयारी में हैं।

वर्तमान में बीकानेर में छोटे-बड़े 70 से ज्यादा प्लांट लग चुके हैं, जिससे 4504 मेगावाट बिजली बन रही है।

संवेदनशीलता के साथ करें आमजन की समस्याओं का निस्तारण : कलेक्टर

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजस्थान सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई और जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक गुरूवार को कलेक्ट्रेट के वीसी रूम में हुई। इस दौरान कलेक्टर डॉ. मंजू ने जनसुनवाई करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी आमजन की समस्याओं का निस्तारण संवेदनशीलता के साथ करें। जनसुनवाई में 95 प्रकरण आये।

जनसुनवाई के दौरान सूरतगढ़ निवासी परिवादी द्वारा स्वीकृत सिंचाई खाले में रास्ता नहीं देने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये सूरतगढ़ तहसीलदार को मौका मुआयना कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम व सिंचाई विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए परिवादी को रास्ता दिलवाया जाये। पदमपुर-गजसिंहपुर स्थित 31 बीबी में सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त की शिकायत पर जिला कलेक्टर ने जल्द पेचवर्क करवाने के लिये एसई पीडब्लयूडी, आवारा पशुओं, कचरा निस्तारण और नालियों की सफाई के लिये ईओ गजसिंहपुर को निर्देश दिये।

इसी तरह साधुवाली ग्राम पंचायत में अतिक्रमण हटाने के लिये एसडीएम गंगानगर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के चयन प्रकरण में कार्यवाही के लिये नगर परिषद आयुक्त, भूमि आवंटन प्रकरण में जांच के लिये सूरतगढ़ एडीएम, पदमपुर के 17 बीबी में अवैध साइफन हटाने के लिये एसडीएम पदमपुर, 7एफबी के सरकारी खाले में खारा पानी डालने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये एसडीएम श्रीकरणपुर, 37पीटीपी के खाला पर आड़ बनाने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये एसडीएम सादुलशहर, किशनपुरा आबादी में पट्टा प्रकरण में सूरतगढ़ बीडीओ, मन्नीवाली निवासी परिवादी द्वारा पीएम आवास योजना का लाभ देने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये जिला परिषद सीईओ और परिवादी द्वारा कृषि कनेक्शन जारी करने की मांग पर कार्यवाही के लिये एसई डिस्कॉम को निर्देशित किया। जनसुनवाई और जिला सतर्कता समिति की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाये।

गंगानगर कलेक्टर डॉ. मंजू ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी।

- **कलेक्टर ने जन सुनवाई में 95 प्रकरण सुने**

शिवराज छंगाणी साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के मौन साधक थे : रंगा

बीकानेर, (कासं)। राजस्थानी, हिन्दी के महान् साहित्यकार कीर्तिशेष शिवराज छंगाणी के 86वें जन्म दिवस पर राजस्थानी युवा लेखक संघ एवं प्रज्ञालय संस्थान द्वारा स्थानीय नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन-सदन में उनकी स्मृति में नमन-स्मरण कार्यक्रम का आयोजन आज दोपहर किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ जनकवि एवं शिक्षाविद् विशन मतवाला ने कहा कि कीर्तिशेष शिवराज छंगाणी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। साथ ही वे अजातशत्रु थे। इस अवसर पर मतवाला ने छंगाणी जी की साहित्यिक यात्रा के महत्वपूर्ण प्रसंग साझा करते हुए कहा कि वह गंभीर शिक्षाविद् भी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृतिकर्मी एन.डी. रंगा ने उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए उनके साथ शिक्षा जगत में बिताये अनछुए प्रसंग साझा करते हुए कहा कि मेरे जीवन पर उनका गहरा प्रभाव रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने कहा कि कीर्तिशेष छंगाणी मौन साधक रहते हुए शिक्षा, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में अपनी समर्पित भाव की सेवाएं जीवनपर्यन्त देते रहे। रंगा ने आगे कहा कि उन्होंने राजस्थानी गद्य की रेखाचित्र एवं संस्मरण विधा को ऊंचाईयां प्रदान कर उल्लेखनीय काम किया। अपनी शब्दांजलि देते हुए कवि गोपाल व्यास ने उन्हें आदर्श शिक्षक बताया तो समाजसेवी सत्यनारायण छंगाणी ने उन्हें राजस्थानी का सच्चा सपूत कहा।

हिन्दी के साहित्यकार कीर्तिशेष शिवराज छंगाणी के जन्म दिवस पर कार्यक्रम को वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने संबोधित किया।

सी.ई.ओ. ने गंदे पानी की खेती पाये जाने पर सब्जियों को नष्ट करवाने को कहा

बीकानेर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला परिषद सीईओ सोहनलाल ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्रकरणों की सुनवाई की।

- जिला स्तरीय जनसुनवाई में 158 प्रकरणों प्राप्त हुए
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने विभिन्न प्रकरणों पर तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिए

बीकानेर, (कासं)। जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने कहा कि समस्त अधिकारी दर्ज मामलों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएं। जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की परिवेदनाओं और समस्याओं को पारदर्शी और संवेदनशीलता से सुनना एवं उनका त्वरित समाधान करना है। साथ ही प्रकरणों के निस्तारण में संतुष्टि दर बढ़ाने के प्रयास किए जाएं।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 158 प्रकरणों प्राप्त हुए। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने विभिन्न प्रकरणों पर तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गंदे पानी से सब्जियां उगाएं जाने की शिकायत पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त निरीक्षण कर जांच के निर्देश दिए। गंदे पानी की खेती पाए जाने पर सब्जियों को नष्ट करवाने को कहा। रिडमलसर में वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण व अवैध खनन की शिकायत पर खनिज एवं वन विभाग को भूमि को कब्जा मुक्त करवाने के निर्देश दिए।

भविष्य में जमीन पर अतिक्रमण ना हो, इसके लिए तारबंदी करवा भूमि को सुरक्षित करवाया जाए। समता नगर में बिना लाइसेंस उर्वरक कीटनाशक का अवैध भंडारण होने की शिकायत पर कृषि विभाग को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जिले में लाइसेंस विहीन एवं बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के तिपहिया वाहन संचालन की शिकायत पर परिवहन एवं यातायात विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर ऐसे वाहनों का चालान काटने व नियमानुसार जब्त करने को कहा। साथ ही बाल वाहिनियों में निर्धारित संख्या से ज्यादा बच्चे बैठे ना हों, यह सुनिश्चित किया जाए।

रानी बाजार चौपड़ा कटला स्थित होम्योपैथिक औषधालय में दवाईयां उपलब्ध होने के बावजूद भी उनका वितरण न करने की शिकायत पर चिकित्सा विभाग को जांच करने के निर्देश दिए। नगर निगम को शहर में बिना अनुमति के निर्माण कार्य करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने श्रमिक डायरी बनवाने, प्रधानमंत्री आवास योजना में आवेदन करवाने, बंद हुई पेंशन चालू करवाने तथा क्षतिग्रस्त पाइप-लाइन ठीक करवाने सहित अन्य कई समस्याओं पर अधिकारियों को तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों, नालों एवं सीवरेज का दुरुस्तीकरण, सीमा ज्ञान करवाने, साफ-सफाई करवाने, अवैध जल एवं बिजली कनेक्शन काटने, आवंटित प्लॉट को कब्जा मुक्त करवाने, निजी कॉलोनी में पेयजल कनेक्शन, जल जीवन मिशन के तहत कनेक्शन करने, आरटीआई के जवाब, नामांकन दर्ज करवाने सहित अन्य प्रकरण प्रस्तुत किए गए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ दुलीचंद मीना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव, निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, एसडीएम कविता गोदारा, कृषि विभाग उपनिदेशक कैलाश चौधरी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

वहीं जिला पर्यटन विकास समिति एवं ऊंट उत्सव 2025 के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में बैठक सोमवार सांय 4 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी। यह जानकारी पर्यटन विभाग के उपनिदेशक अनिल राठौड़ ने दी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जल जीवन मिशन की बैठक शुक्रवार प्रातः 11 बजे में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी। यह जानकारी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में विश्व शौचालय दिवस अभियान 2024, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना की प्रगति, जल जीवन मिशन योजना की प्रगति सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी।

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग राजस्थान द्वारा 22 नवम्बर को टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस श्रीगंगानगर में प्रातः 10 बजे से एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जायेगा।

हत्या के मामले में 10 साल की सजा

नोखा, (कासं)। जमीनी विवाद में हत्या के मामले में नोखा एडीजे कोर्ट ने तीन आरोपियों को दस-दस साल के कारावास और 50-50 हजार रूपए के आर्थिक दंड से दंडित करने का फैसला सुनाया। वहीं एक आरोपी को तीन साल की सजा और 10 हजार रूपए का आर्थिक दंड दिया गया है।

जानकारी के अनुसार दो अगस्त 2007 को परिवादी प्रभूराम ने नोखा थाने में रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और अभियुक्त राधाकिशन, रामस्वरूप और भागीरथ के खिलाफ धारा 302,307,323,325,147, 148,149 भादसं. के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की। एडीजे मुकेश कुमार ने अभियुक्त राधाकिशन, रामस्वरूप और भागीरथ को धारा 302, 307, 323, 341, 325, 147, 148, 149 भादसं. के तहत दोषी ठहराया और प्रत्येक को दस-दस साल की सजा और 50-50 हजार रूपए का जुर्माना लगाया। वहीं अभियुक्त मदनलाल को तीन साल की सजा और 10 हजार रूपए का आर्थिक दंड दिया। पांच बजे प्रभूराम और उसके भाई ताराचंद तथा भाभी धूड़ी अपने खेत जा रहे थे, तभी रुपाराम के खेत में राधाकिशन ने बोलेरो में सवार होकर उन्हें रोक लिया। राधाकिशन, रामकिशोर, जयसुखराम, रामेश्वर, भागीरथ, गंगाजल, पप्पूराम, मुन्नीराम और मदनलाल आरोपियों के साथ मिलकर प्रभूराम और उसके परिवार पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान ताराचंद की मौत हो गई। अन्य आरोपी रामकिशोर, जयसुखराम, रामेश्वर, गंगाजल और मदनलाल के संबंध में जांच लंबित रखी गई।

लाइसेंस निलंबित : बीकानेर में जांच के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 3 मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञापत्र निलम्बित किये गए हैं। अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक देवेंद्र कुमार केदावत ने बताया कि गोडू स्थित महादेव मेडिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र 9 से 13 दिसम्बर तक, झझू चौराहा स्थित आर. एम. मेडिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र 9 से 18 दिसम्बर तक निलंबित किए गए हैं।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2024/3719 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 20.11..2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती दीक्षा पत्नी श्री कौशल कुमार एवं श्रीमती कुसुमलता पत्नी श्री अमित कुमार निवासी म.नं. 467, गांधी बस्ती, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 2 एमएल मुरब्बा नं. 54 किला नं. 14, 15 में माप 30 इंटू 50 फीट भू.सं. एसएच-10 रिद्धि-सिद्धि एन्कलेव, श्रीगंगानगर	नियमन पट्टा सं. 4983 दिनांक 7.9.2007 को रिद्धि-सिद्धि होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री सुरेश शाह पुत्र श्री शिव प्रसाद शाह के नाम से जारी किया हुआ है।	श्रीमती दीक्षा एवं श्रीमती कुसुमलता द्वारा उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 26.4.2024 को क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्रीमती दीक्षा पत्नी श्री कौशल कुमार एवं श्रीमती कुसुमलता पत्नी श्री अमित कुमार निवासी म.नं. 467, गांधी बस्ती, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/1000 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2024/3718 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 20.11..2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सतकीरत सिंह पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह निवासी म.नं. 6, कुंज विहार, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 जैड मुरब्बा नं. 18 किला नं. 21 में माप 20 इंटू 50 फीट भू.सं. एस-08 अम्बिका एन्कलेव, श्रीगंगानगर	नियमन पट्टा सं. 25878 दिनांक 26.6.2024 को श्री हरकीरत सिंह पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री सतकीरत सिंह द्वारा उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 5.8.2024 को क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री सतकीरत सिंह पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह निवासी म.नं. 6, कुंज विहार, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/627 सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2024/3712 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14.11.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संदीप सुखीजा पुत्र श्री प्रेमनाथ सुखीजा निवासी म.नं. 37 सी, गली नं. 3, प्रेमनगर, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण		
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं विवरण	जायज वारिसों का विवरण	दस्तावेज का विवरण
चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 46 किला नं. 22 में माप 22 इंटू 60 फीट, भूखंड संख्या 37-सी, प्रेमनगर, श्रीगंगानगर	नियमन पट्टा सं. 2098 दिनांक 30.9.2013 को श्री प्रेमनाथ पुत्र श्री वासुराम के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री प्रेमनाथ की मृत्यु दिनांक 20.12.2023 को हो चुकी है।	1. संदीप सुखीजा - पुत्र 2. भावना कटारिया - पुत्री	श्री संदीप सुखीजा पुत्र श्री प्रेमनाथ द्वारा पंजीकृत दस्तावेज रिलीज डीड दिनांक 20.9.2024 की प्रति प्रस्तुत उक्त भूखंड के नामांतरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री संदीप सुखीजा पुत्र श्री प्रेमनाथ सुखीजा निवासी म.नं. 37 सी, गली नं. 3, प्रेमनगर, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पटटे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/952 Rajkaj Ref No. 11512582 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

बीकानेर में लड़कियों के लिए बनेगी सैन्य एकेडमी

- राइजिंग राजस्थान में एमओयू साइन, सैन्य एकेडमी के निर्माण में श्रीराम नारायण राठी ट्रस्ट 100 करोड़ रूपए का निवेश करेगा

बीकानेर, (कासं)। जिले के जयमलसर गांव में जल्द ही लड़कियों के लिए सैन्य अकादमी की स्थापना की जायेगी। इसके लिए राइजिंग राजस्थान समिट में एक निजी संस्था और शिक्षा विभाग के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हो गए हैं।

कोलकाता के दौरे पर पहुंचे शिक्षा पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को कोलकाता में विभिन्न उद्योगपतियों और राजस्थान मूल के व्यवसायियों से मुलाकात की और शिक्षा विभाग में निवेश को लेकर चर्चा की। बीकानेर के जयमलसर गांव में श्रीराम नारायण राठी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से छात्राओं के लिए सैन्य एकेडमी की स्थापना की जायेगी। सैन्य एकेडमी के निर्माण में श्रीराम नारायण राठी ट्रस्ट 100 करोड़ रूपए का निवेश करेगा। सैनिक अकादमी की स्थापना के लिए यहां होटल ताज में आयोजित एक समारोह में श्रीराम नारायण चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष पूनम चंद राठी और शिक्षा विभाग के निदेशक माध्यमिक आशीष मोदी ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान शूरवीरों की भूमि है। यहां के युवा देशभक्ति के लिए मर मिटने का जज्बा रखते हैं और सेना में अधिक से अधिक संख्या में भर्ती होते हैं। प्रदेश में अच्छे सैन्य स्कूल खोलने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का निर्देश है कि प्रदेश के सभी संभागों में सैनिक स्कूल खोले जाए। हम मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप हर संभाग मुख्यालय पर सैनिक स्कूल खोलना चाहते हैं।

श्री राम नारायण राठी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष पूनम चंद राठी ने बीकानेर जिले के जयमलसर गांव में सैनिक स्कूल छात्रा खोलने की घोषणा की। जिस पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आवश्यक कार्यवाही कर सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए। बीकानेर के ही पांचू गांव में सेठ शंकर लाल चैरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता की ओर से 10 करोड़ का निवेश कर एक कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय का भवन और एक महाविद्यालय भवन बनाए जाने की सहमति रखी है। ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर लाल ने बताया कि वे पांचू गांव में रा. कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय का भवन बनाकर देंगे, जिसकी लागत 5 करोड़ रूपए होगी।

सिर पर ईंट गिरने से मजदूर की मौत

बीकानेर, (कासं)। जिले के छतरगढ थाना क्षेत्र में सिर पर ईंट गिरने से गंभीर रूप से घायल मजदूर ने आज पीबीएम में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी मिली है कि वह पिछले एक सप्ताह से पीबीएम में भर्ती हो गया था। बताया जा रहा है कि 11 एफ करणपुर श्रीगंगानगर निवासी बुधराम 15 नवम्बर को छतरगढ़ से बीकानेर के मुख्य बाजार में किशन जी के मकान निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान अचानक एक ईंट उसके सिर पर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद अन्य मजदूर उसे तुरंत छतरगढ़ सीएचसी लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद बुधराम को पीबीएम अस्पताल के लिये रेफर किया गया। जहां आज उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बुधराम छतरगढ़ में रहता था। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव को परिजनों को सौंप दिया है।

दिन में गर्मी बरकरार, रात में ठंडी हवाओं से सर्दी

- दोपहर में तो अभी तक भी पंखा, कूलर और एसी चल रहे हैं

बीकानेर,(कासं)। मौसम तो बदल गया लेकिन दोपहर की गर्मी अब भी बरकरार है। सुबह और शाम ठंडी हवाओं के चलते पंखा, कूलर और एसी सब बंद हो जाते हैं लेकिन दोपहर में ये सब चल रहे हैं।

दरअसल न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया है। मौसम विभाग ने भी साफ किया है कि आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा यानी दोपहर में सर्दी के अभी आसार नहीं है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ये सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम है। आमतौर पर इन दिनों में बीकानेर में अधिकतम तापमान तीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहता है।

वहीं न्यूनतम पारा 15.2 डिग्री सेल्सियस है जो सामान्य से करीब दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। इन दिनों में बीकानेर में ये 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। पिछले एक सप्ताह में बीकानेर में महज दो दिन 16 व 17 नवम्बर को ही तापमान में ज्यादा गिरावट हुई लेकिन इसके बाद से रात का पारा ज्यादा नहीं गिरा। वहीं दोपहर में मौसम शुष्क रहने लगा है।

मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। निम्नतम न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस फतेहपुर सीकर में दर्ज किया गया। आज साढ़े आठ बजे दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश भागों में हवा में आर्द्रता की औसत मात्रा 40 से 100 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे

EL/TRD/EIG/2x25KV/OHE/RTGH-CUR दिनांक : 21.11.24

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्त्ताओं को एतत् द्वारा सूचना दी जाती है कि बीकानेर मंडल, उत्तर पश्चिम रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 2200 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, एसी शिरोपरि कर्षण तारों को खण्ड के सामने निविर्दिष्ट तारीख **24.11.2024** को या बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरि कर्षण लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जाएगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरि लाईन की सामीप्यता में दाखिल होने या काम करने नही जाएगा।

खण्ड : बीकानेर मंडल के रतनगढ़ (शामिल)- चूरू (शामिल) खंड में ओएचई अप लाइन सेक्शन के मास्ट नं. 326/03 (किमी 326/69.50) से 280/12 (किमी 280/311.50) तक

"सड़क उपभोक्ताओं को चेतावनी"

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि बीकानेर मण्डल उत्तर पश्चिम रेलवे के **रतनगढ़ (शामिल)- चूरू (शामिल) खण्ड में मास्ट नं. 326/03 (किमी 326/69.50) से 280/12 (किमी 280/311.50)** तक दिनांक **24.11.2024** या उसके बाद 2200 वोल्ट पर उर्जित होने के कारण सभी समपारो पर सडक सतह से 4.78 मी. की स्पष्ट ऊंचाई पर ऊंचाई गेज लगाई गई और अत्यधिक ऊंचाई के भार को संपर्क में आने या खतरनाक निकटता से बचाने के लिए कॉन्टैक्ट वायर रेल स्तर से कम से कम 5.50 मीटर की ऊंचाई पर होगा ताकि बहुत अधिक ऊंचाई वाले लोड को विद्युन्मय कर्षणतार की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क में आने से रोका जा सके ।

जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊंचाई का पालने करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढ़ोये जा रहे लोड से किसी भी स्थित में ऊंचाई गेजों का उल्लघन न करें।

1. अत्यधिक गेज के लिए खतरा ओर उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा।
2. वाहन पर ले जाये जा रहे सामग्रीयों या उपस्कर को खतरा।
3. चालको की खतरनाक सामीप्यात या सम्पर्क के कारण आग का खतरा ओर जीवन की हानि का खतरा।

1351-DR/24

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

दो पिस्टल-कारतूस सहित दबोचा

बीकानेर,(कासं)। जिले के जामसर थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई करते हुए 2 देशी पिस्टल व एक कारतूस सहित हथियार सप्लायर्स समेत दो को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी रवि कुमार ने बताया कि कार्रवाई दो अलग-अलग जगहों पर की गई। जिसमें कतरियासर के पास से 25 वर्षीय महेन्द्र मेघवाल को पकड़ा। जिसके पास से एक अवैध पिस्टल जब्त की गई। वहीं 26 साल के जितेन्द्र सिंह को गंगाशहर से गिरफ्तार किया गया है। इससे एक पिस्टल व एक कारतूस बरामद किया है।

इस कार्रवाई में हैड कानि. विनोद कुमार, कानि. बलवीर, हनुमानराम, कैलाश, राजेश, जितेन्द्र कुमार व हजारी शामिल थे। इस कार्रवाई में हैड कानि विनोद कुमार की भूमिका अहम रही। आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

कीटनाशक स्प्रे से किसान की मौत : पूगल थाना क्षेत्र के अमरपुरा 742 हेड के पास खेत में स्प्रे चढ़ने से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान काननाथ पुत्र बाबू नाथ जोगी के रूप में हुई है, जो लाखासर का मूल निवासी था और पिछले दो साल से अपने परिवार के साथ अमरपुरा के रहने वाले रेवंत राम नाई का खेत हिस्से में लेकर काश्त करता था।

बुधवार शाम को काननाथ खेत में फसल पर कीटनाशक स्प्रे कर रहा था। स्प्रे के प्रभाव से उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे तुरंत पीबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पूगल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया है।

13 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले की संगरिया थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार युवक के कब्जे से 13.16 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की है। पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगामी अनुसंधान में जुटी है।

संगरिया पुलिस थाना के एसआई प्रमोद सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने दीनगढ़ से संतपुरा रोड पर रोही संतपुरा में एएमपी नहर की पुलिया पर नाकाबंदी शुरू की। रात को नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने एक बाइक पर सवार होकर आए युवक को शक के आधार पर रूकवाकर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 13.16 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ। पुलिस ने बाइक जब्त कर मौके से मनप्रीत सिंह जटसिख निवासी गांव हिम्मतपुरा पीएस बहाववाला जिला फाजिल्का को गिरफ्तार कर लिया।

खाद विक्रेता फर्म का लाइसेंस निरस्त और एक का निलंबित

- डीएपी वितरण व्यवस्थाओं को लेकर कृषि विभाग सख्त, दो फर्मों पर की कार्रवाई

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में डीएपी वितरण व्यवस्था को लेकर कृषि विभाग लगातार निरीक्षण कर अनियमितता पर सख्त कार्रवाई कर रहा है। विभाग ने गुरूवार सुबह हनुमानगढ़ जंक्शन में एक आदान विक्रेता फर्म का लाइसेंस निरस्त और धोलीपाल में एक का लाइसेंस निलंबित किया है।

विभाग के संयुक्त निदेशक योगेश वर्मा ने बताया कि विभाग की टीमें उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए औचक निरीक्षण कर रही हैं। संयुक्त निदेशक ने बताया कि जिले में फास्फोरस के वैकल्पिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। किसी जगह अधिक राशि पर ब्रिकी की सूचना निकटतम सहायक निदेशक अथवा कृषि पर्यवेक्षक को दी जाए ताकि प्रभावी कार्यवाही संभव हो सकें। उन्होंने बताया कि जिले में कोरोमण्डल, इफको एवं एनएफएल की रैक से 2300 मैट्रिक टन गत दो दिन में आया है। इससे स्थिति में सुधार हुआ है।

वर्मा ने आदान विक्रेताओं को डीएपी उर्वरक की आपूर्ति के बाद मंडीवार वितरण व्यवस्था में नियुक्त कार्मिकों की देखरेख में ही किसानों को आनुपातिक रूप से उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। वर्मा ने बताया कि इस बार रबी में लगभग 6.70 लाख हैक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से अक्टूबर तक सरसों लगभग 2.50 लाख हैक्टेयर में बिजाई होने का अनुमान है। इसके लिए लगभग 15000-18000 मैट्रिक टन फास्फोरस की आवश्यकता होगी। उन्होंने किसानों को बताया कि एनपीकेएस श्रेणी के उर्वरक, सिंगल सुपर फास्फेट, ट्रिपल सुपर फास्फेट आदि की पर्याप्त व्यवस्था है। नवम्बर माह में गेंहू की बिजाई के लिए भी पर्याप्त मात्रा में फास्फोरिक जनित उर्वरक उपलब्ध है।

उत्तर पश्चिम रेलवे ई-ऑक्शन सूचना

सं. 86ऐसी/पार्किंग & पे एण्ड यूज शौचालय/ई-नीलामी/2022 दिनांक : 20.11.24

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से बीकानेर मण्डल पर लीजिंग, पार्किंग, Advertisement - out of Home, Advertisement on station premise Non - Digital, Advertisement -Train Exterior (Below window) ठेको के लिए ई-ऑक्शन प्रारम्भ किये गये है जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

केटलॉग संख्या	कार्य का नाम व स्थान	ई ऑक्शन की दिनांक व समय
EA Lease 21 24	12440-SLR-F1-SGNR-NED 24-1 (Parcel - SLR) 22724-SLR-F1- SGNR -NED 24-1 (Parcel - SLR) 22916-SLR-F1-HSR- BDTS-23-1 (Parcel - SLR) 12489-SLR -F1- BKN- DDR-24-1 (Parcel - SLR)	दिनांक 25.11.2024 समय 11:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।
EA Parking 19	सिरसा प्रथम प्रवेश द्वार, हांसी, संगरिया, भिवानी, गजसिहंपुर, चूरु, जैतसर रेलवे स्टेशनों पर साईकल, स्कूटर, मोटर साईकल, कार पार्किंग स्टेण्ड ।	दिनांक 25.11.2024 समय 15:30 बजे ई-ऑक्शन होगा।
ADV OOH 27	Advertisement - out of Home at:- सादुलपुर, गजसिंहपुर, रामा, श्रीविजयनगर, रामपुरबेरी, राजलदेसर, बीकानेर, नोहर, अनुपगढ । Advertisement on station premise Non-Digital at :- भिवानी, सिरसा	दिनांक 06.12.2024 समय 15:30 बजे ई-ऑक्शन होगा।
ADV VW 03	**Advertisement-Train Exterior (Below window)** **1.** Train No. 04702/01 LGH- ABS Special, 04771/72 BTI-APH SPL, 04783/84 BTI-SSA SPL., 14722/21 ABS-JU EXP (DAILY) **2.** Train No. 20473/74 [CHETAK EXP] DEE-UDZ, 22471/72 [BKN DEE EXP] BKN-DEE, (Daily). **3.** Train No. 04705/06 [SGNR-JP TOD SPL]SGNR-JP, 04753/54 [BTI- SGNR PASSENGER] BTI-SGNR, 04755/56 [BTI-SGNR PASSENGER] BTI-SGNR, 04765/66 [DUI-BTI PASSENGER] DUI-BTI, 14735/36 [SGNR-UMB EXP] SGNR-UMB (Daily). **4.** Train No. 14727/28 [SGNR TKJ EXP] SGNR - TKJ, 14737/38 [BHIWANI TKJ EXP] BNW-TKJ (Daily). **5.** Train No. 04759/60 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG, 04761/62 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG, 04763/64 [SDLP-SGNR PASSENGER] SDLP-SGNR, 04767/68 [HMH-SGNR PASSENGER] HMH-SGNR, 04769/70 [HMH-SGNR PASSENGER] HMH-SGNR, 04773/74 [SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG, 04775/76 [SDLP-HMH PASSENGER] SDLP-HMH, 04777/78 [SDLP-HMH PASSENGER] SDLP-HMH, 04779/80 (SGNR-SOG PASSENGER] SGNR-SOG (Daily). **6.** Train no. 12467/68 LEELAN EXP] JSM- JP, 14703/04 lgh-jsm exp. **7.** Train No. 12439/40 [NED-SGNR EXP VIA HMH] NED-SGNR (Weekly), 12485/86 [NED SGNR EXP] NED-SGNR (Twice in Week).	दिनांक 09.12.2024 समय 15:30 बजे ई-ऑक्शन होगा।

अन्य सूचना एवं नियम व शर्तों के लिये IREPS की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर लॉगिन करे। 1348-DR/24

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

For Sale/eAuction: Cyclone **Damaged GCI Sheets SCRAP 60.2 MT & Solar Panel- 1460 Modules, Solar Structure GI- 6420 Kgs., Solar Aluminium Structure & Accessories - 970 kgs. Electrical Cable- 8000 MTR (350 KG. Appr.) , PVC Item-500 kg. lying at Khasara No 8,& 16, Khara, Bikaner, Rajasthan.** Contact Person - Mr. Vinod Bafna-9414141584 & Mr. Sahil Chopra- 9928710132 Last Date For Inspection & EMD Deposit - 29.11.2024 & Date Of E-auction - 30.11.2024(3PM), Auctioneer: Meenakshi Gupta-9625137014 (Insurance Claim Material Will Be Sold On 'As Is Where Is', 'Whatever There Is' And 'No Complaint' Basis).

For More Details:
Support@Salvagemanagers.Com
www.Salvagemanagers.Com

'निबंध सबरंग' पर चर्चा 26 को

बीकानेर, (कासं)। हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा की श्रृंखला 'सृजन संवाद' की दूसरी कड़ी में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गौरीशंकर प्रजापत के हिन्दी निबंध संग्रह 'निबंध सबरंग' पर 26 नवम्बर को सायं 4 .15 बजे से सूचना केन्द्र सभागार में चर्चा आयोजित की जायेगी।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101184 **लोक सूचना** दिनांक : 20.11.2024

अर्शदीप कौर पुत्री श्री बलदेव सिंह एवं श्री तरनवीर सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह निवासी वार्ड नं. 18, पदमपुर गंगानगर एवं श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह निवासी 4 ई श्रीगंगानगर एवं श्रीमती सुखजीत कौर पत्नी श्री लाभ सिंह निवासी 4 ए छोटी साहूवाला, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 4 ए छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	अर्शदीप कौर पुत्री श्री बलदेव सिंह एवं श्री तरनवीर सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह एवं श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह एवं श्रीमती सुखजीत कौर पत्नी श्री लाभ सिंह	चक 4 ए छोटी मुरब्बा नं. 45 के किला नं. 18, 19, 20 प्रत्येक में 0.2530 है. किला नं. 21 में 0.2270 है. किला नं. 22, 23, 24 व 25 प्रत्येक में 0.2280 है. यथाकुल 1.8980 हैक्टे.	कुल 1.8980 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20.11.2024 को जारी की गयी।

- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

रैली में लिया विद्यार्थियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प

नशा मुक्त गंगानगर अभियान के तहत विद्यार्थियों ने डेलवां गांव में जागृति रैली निकाली।

- रैली में बड़ी संख्या में युवाओं, ग्रामवासियों ने भाग लिया

श्रीगंगानगर, (कासं)। ग्राम पंचायत डेलवा में गुरूवार को रात्रि चौपाल आयोजन के साथ-साथ नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त युवा जागृति कार्यशाला और रैली का आयोजन किया गया।

जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त गंगानगर अभियान के अंतर्गत विशेष युवा जागृति कार्यशाला और रैली का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, ग्रामवासियों ने भाग लिया। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य नशे की बढ़ती समस्या के प्रति जागरूकता फैलाना और युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए प्रेरित करना है। रैली में बच्चों और युवाओं ने नशे से चाहिए आजादी, 'से टू ड्रग नो' और कसम यह खायेंगे, नशे को दूर भगाएंगे' जैसे नारे लगाए। जिससे पूरा डेलवा गांव गूंज उठा। एक संकल्प समारोह के साथ सभी विद्यार्थियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

रात्रि चौपाल में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चौधरी, पदमपुर एसडीएम अजीत गोदारा और तहसीलदार दर्शना देवी ने आमजन की समस्याओं को सुना और नशे से बचने के लिए जागरूक रहने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए युवाओं को प्रेरित करना और इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चौधरी ने कहा नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए हमें मिलकर प्रयास करना होगा। युवा हमारे देश का भविष्य हैं और उन्हें इस बुराई से बचाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

TRUE VALUE
MARUTI SUZUKI
वाइड रेंज के साथ बेहतरीन क्वालिटी मिलेगी
सिर्फ TRUE VALUE पे
CELEBRATING
50 LAKH
HAPPY FAMILIES
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
3 FREE SERVICES
3 फ्री सर्विस और 1 साल तक की वारंटी*
वेरिफाइड कार हिस्ट्री*
अधिक जानने के लिए स्कैन करें
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।
BIKANER: OPPOSITE BBS SCHOOL, JAIPUR ROAD, BIKANER, AURIC MOTORS PVT. LTD.: 8875911509, 8003098512 | NEAR KALPATRU WAREHOUSE, NH-15, SRIGANGANAGAR, AURIC MOTORS: 7412059862, 8696543585 | NH-89 JAISALMER ROAD, BIKANER, DUDI MOTORS: 8306993375.